दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 231 | ग्वालियर शुक्रवार 28 अगस्त 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

जीएसटी काउंसिल की बैठकः जीएसटी संग्रह में कमी, सीतारमण ने कहा-

अब कंपनसेशन नहीं कर्ज मिलेगा, दोपहिया वाहनों पर 28 प्रतिशत जीएसटी

नई दिल्ली। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) काउंसिल की 41वीं बैठक गुरुवार को हुई। बैठक में यह बात सामने आई की कोविड की वजह से जीएसटी कलेक्शन कम हुआ है। इसलिए राज्यों को अब कंपनसेशन नहीं कर्ज दिया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इसके लिए राज्यों के सामने दो विकल्प दिए गए हैं। राज्य एक हफ्ते में तय करके केंद्र सरकार को सूचित करेंगे। गौरतलब है कि आर्थिक मंदी और कोरोना के कारण अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट आई है। राज्यों को को केंद्र से मिलने वाली 42 फीसदी राशि में भी भारी कमली आई है। चार माह से जीएसटी की राशि भी नहीं मिल रही है। इससे राज्यों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्त वर्ष 2021 में जीएसटी कलेक्शन में 2.35 लाख करोड़ रुपए की कमी रह सकती है। उन्होंने कोविड को एक्ट ऑफ गॉड बताया। बैठक में कोई बड़ा फैसला नहीं हो सका। उम्मीद जताई जा रही थी कि काउंसिल दोपहिया वाहनों पर टैक्स कटौती को लेकर फैसला कर सकती है। वित्त मंत्री निर्मला ने बताया कि दोपहिया वाहनों पर टैक्स कटौती को लेकर कोई टाइमलाइन तय नहीं है।

अब संभावना जताई जा रही है कि काउंसिल की अगली बैठक में इस पर विचार हो सकता है। जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक सितंबर में होगी। राज्यों को दिए जाने वाले कंपनसेशन (बकाया भुगतान) पर चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने बताया कि राज्यों को कंपनसेशन के दो विकल्प दिए गए। इन दोनों विकल्पों पर विचार के लिए राज्यों ने एक हफ्ते का वक्त मांगा। कंपनसेशन की यह व्यवस्था वित्त वर्ष 2021 के लिए रहेगी। वित्त सचिव ने वित्त वर्ष 2021 में 65 हजार करोड़ रुपए के कंपनसेशन सेस कलेक्शन की उम्मीद जताई। राज्यों को जो दो विकल्प दिए गए है वे हैं-पहला यह कि केंद्र उधार लेकर भुगतान करे, दूसरा यह कि राज्य खुद आरबीआई से उधार लें। वित्त सचिव ने बताया कि जीएसटी दरों में बढ़ोतरी को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। वित्त सचिव ने चालू वित्त वर्ष में 3 लाख करोड़ रुपए के कंपनसेशन कलेक्शन की उम्मीद जताई है। वित्त सचिव ने बताया कि राज्यों के जीएसटी कंपनसेशन के लिए अप्रैल से जुलाई अवधि का 1.5 लाख करोड़ रुपए बकाया है। ऑटोमोबाइल सेक्टर लंबे समय से दोपहिया वाहनों पर लगने वाले जीएसटी में कटौती की मांग कर रहा है। मौजूदा समय में दोपहिया वाहनों पर 28 फीसदी जीएसटी लगता है। ऑटोमोबाइल सेक्टर से जुड़े लोग इसे घटाकर 18 फीसदी करने की मांग कर रहे हैं। बजाज ऑटो के एमडी राजीव बजाज का कहना है कि यदि जीएसटी दर घटकर 18 फीसदी पर आ जाती है तो दोपहिया वाहनों की कीमत 10 हजार रुपए तक कम हो सकती है। जीएसटी घटाने के सुझाव पर वित्त मंत्री ने कहा कि ये वास्तव में एक अच्छा सुझाव है, इसे जीएसटी काउंसिल की बैठक में उठाया जाएगा, क्योंकि टू-व्हीलर न तो लग्जरी आइटम है और न ही नुकसानदेह आइटम। इस वक्त टू-व्हीलर पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगता है। सीआईआई की तरफ से कहा गया कि वित्त मंत्री ने भरोसा दिया कि इंडस्ट्री की ओर से दिया गया ये एक बेहतर सुझाव है, इसलिए टू-व्हीलर की जीएसटी दरों में बदलने के बारे में सोचा जाएगा।

मुलाकात

भोपाल में गुरुवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुख्यमंत्री निवास पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सौजन्य भेंट की।

रक्षा बजट का बड़ा हिस्सा केवल घरेलू इंडस्ट्री से खरीद के लिए रखा गया :राजनाथ सिंह

नई दिल्ली । रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हम आत्मनिर्भर बनकर दुनिया के लिए कुछ अच्छा करना चाहते हैं। इस दिशा में कुछ कड़े नीतिगत सुधार किए गए हैं,जिसमें 101 रक्षा सामानों के आयात पर बैन लगाना शामिल है। हमने सालाना बजट का एक बड़ा हिस्सा केवल घरेलू इंडस्ट्री से खरीद के लिए रखा है। इस साल यह 52,000 करोड़ रुपये होगा। हम सिर्फ मेक इन इंडिया नहीं, मेक फॉर वर्ल्ड का गोल हासिल करना चाहते हैं। यह बात उन्होंने आत्मनिर्भर भारत पर आयोजित वेबिनार में कही।

सेमिनार में सीडीएस जनरल बिपिन रावत और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल रावत ने कहा है कि भारत ने कोरोना का जिस तरह से मुकाबला किया, उससे ऐसी किसी भी अप्रत्याशित घटना को दूर करने की हमारी मजबूत क्षमता दिखाई दी है। उन्होंने कहा कि भारत आज कई चुनौतियों और खतरों का सामना कर रहा है। रावत ने कहा कि हमारे पास उच्च-क्षमता वाले स्वदेशी हथियारों का उत्पादन करने की क्षमता और इच्छाशक्ति है। सरकार की ओर से दिखाए गए सही रास्ते और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के साथ, समय है कि हम आत्मनिर्भर बनें और रक्षा उपकरणों के शुद्ध निर्यातक बनें। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सेनाएं आत्मानिभर भारत का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत में विकसित तकनीकों और उपकरणों के साथ युद्ध में जीतने से ज्यादा संतुष्टि हमें कुछ नहीं देगी।

पीएम मोदी ने कहा,

मैंने तय किया कि डिफेंस मैन्यफैक्चरिंग में बेड़ियों को तोड़ा जाए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को डिफेंस मैन्यफैक्चरिंग में आत्मनिर्भर भारत विषय पर वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि बीते कुछ सालों से हमारी कोशिश है कि डिफेंस मैन्यफैक्चरिंग में बेड़ियों को तोड़ा जाए। इस दौरान भारत में रक्षा उत्पादन से जुड़े स्टेक हॉल्डर्स भी मौजूद रहे अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा,पिछले कुछ वर्षों में हमारा प्रयास डिफेंस मैन्यफैक्चरिंग सेक्टर से जुड़ी सभी बेड़ियां तोड़ने का है। हमारा उद्देश्य है कि भारत में ही उत्पादन बढ़े, नई तकनीक भारत में ही विकसित हो, और प्राइवेट सेक्टर का क्षेत्र में अधिकतम विस्तार हो, इसके लिए हमारी सरकार ने कई अहम कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आज यहां हो रहे मंथन से जो परिणाम मिलेगा उससे, आत्मनिर्भरता के हमारे प्रयासों को गति मिलेगी ।पीएम ने कहा कि दशकों से आयुध कारखानों को सरकारी विभागों की तरह ही चलाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि एक सीमित विजन के कारण देश का नुकसान हुआ ही, साथ ही वहां काम करने वाले मेहनती, अनुभवी और कुशल श्रमिक वर्ग का भी बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि बहुत लंबे समय से देश में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति पर निर्णय नहीं हो पा रहा था, ये निर्णय नए भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक है। पीएम मोदी ने कहा कि रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को लेकर हमारा कमिटमेंट सिर्फ बातचीत या कागजों तक ही सीमित नहीं है। इसके कार्यान्वयन के लिए एक के बाद एक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा,सीडीएस के गठन के बाद सेना के तीनों अंगों में समन्वय बेहतर हुआ है। इससे डिफेंस उपकरणों की खरीद को स्केल-अप करने में मदद मिल रही है। आने वाले दिनों में डोमेस्टिक इंडस्ट्री के लिए ऑर्डर्स का साइज भी बढ़ने वाला है। पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में 101 डिफेंस आइटम्स को पूरी तरह से घरेलू खरीद के लिए सुरक्षित कर दिया गया है। इस लिस्ट को आने वाले दिनों में और व्यापक बनाया जाएगा, इसमें और सामान जुड़ते जाएंगे। उन्होंने कहा, %आधुनिक उपकरणों में आत्मनिर्भरता के लिए तकनीकी अपग्रेडेशन जरूरी है। जो उपकरण आज बन रहे हैं, उनका नेक्स्ट जेनरेशन तैयार करने पर काम करने की भी जरूरत है। इससे लिए डीआरडीओ के अलावा निजी क्षेत्र और एकेडिमिक इंस्टीट्यूट्स में भी काम किया जा रहा है। पीएम ने कहा कि डिफेंस कॉरिडोर पर तेजी से काम चल रहा है। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु सरकारों के साथ मिलकर स्टेट ऑफ आर्ट इंफ्रास्टक्चर तैयार किया जा रहा है। इसके लिए आने वाले 5 वर्षों में 20 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया है।

राहुल ने किया 14500000000000 रुपये का जिक्र,क्योंकि ये है सूट बूट की सरकार है

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी मोदी सरकार को निशाना बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। अब राहुल गांधी ने बड़े उद्योगपतियों को टैक्स में मिलने वाली छूट का मुद्दा उठाकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। गुरुवार को राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 145000000000 रुपये की टैक्स-छूट का फायदा बड़े व्यवसायों को दिया गया। लेकिन मध्यम वर्ग को लोन पर ब्याज-माफी तक नहीं दी गई, क्योंकि ये है स सूटबूट की सरकार इसके साथ ही राहुल गांधी ने दो अखबार की कटिंग को शेयर किया, जिसमें मोरेटोरियम अवधि के दौरान

टाली गई ईएमआई पर ब्याज न लेने की मांग का फैसला न लेने पर सुप्रीम कोर्ट ने रिजर्व बैंक और केंद्र सरकार को फटकार लगा दी है। इससे पहले राहुल ने ट्वीट किया था,आरबीआई ने भी उस बात की पुष्टि कर दी जिसकी मैं महीनों से चेतावनी दे रहा हूं। ज़रूरी है कि सरकारऱ्खर्च बढ़ाए, उधार नहीं गरीबों को पैसा दे, न कि उद्योगपतियों को टैक्स-कटौती खपत से अर्थव्यवस्था को फिर शुरू करे। मीडिया द्वारा ध्यान भटकाने से न गरीबों की मदद होगी, न आर्थिक आपदा सुलझेगी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने लोन मोरटोरियम के मुद्दे पर केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा, %आरबीआई के पीछे ना छिपें, अपना स्टैंड बताएं। जस्टिस अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, %आप अपना रुख स्पष्ट करें। आप कुछ भी नहीं कह सकते हैं। आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कदम उठाना आपकी जिम्मेदारी है।

हमारा विरोध करने वाले चुनाव होने पर कहीं के नहीं रहेंगे - गुलाम नबी आज़ाद

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी ने कहा है कि जो अधिकारी या राज्य इकाई के अध्यक्ष,जिला अध्यक्ष हमारे प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं उन्हें मालूम है कि चुनाव होने पर वे कहीं नहीं होंगे। सोनिया गांधी को लिखे गए असहमति पत्र के बाद पार्टी में अलग-थलग किए जाने के चार दिन बाद 71 वर्षीय गुलाम नबी आजाद ने कहा, जो कोई भी वास्तव में कांग्रेस का हित चाहता है , वह पत्र का स्वागत करेगा। आज़ाद ने पत्र में सुझाव दिया कि राज्य कांग्रेस प्रमुखों, जिला अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों और कांग्रेस कार्य समिति का चुनाव किया जाना चाहिए।

दुश्मनों पर पैनी नजर रखने इजरायल से दो आसमानी आंख खरीदेगा भारत

नई दिल्ली । अपने दुश्मन चीन और पाकिस्तान से बढ़ते खतरों के मद्देनजर उन पर पैनी नजर रखने के लिए भारत जल्द ही दो आसमानी आंखों को खरीदने जा रहा है। भारतीय रक्षा मंत्रालय इसे लेकर जल्द ही इजरायल के साथ समझौते को अंतिम रूप दे सकता है। इस समझौते के तहत इजरायल भारत को दो फाल्कन एयरबॉर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (अवाक्स) की सप्लाई करेगा। पहले भी इस डील की कीमत को लेकर भारत और इजरायल के बीच कई बार बातचीत हो चुकी है। हालांकि, दोतरफा खतरे को देखते हुए इस समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के लिए भारत पर दबाव बढ़ता जा रहा है। इजरायल के फाल्कन अवाक्स को रूस की इल्यूसिन-76 हैवी लिफ्ट एयरक्राफ्ट के ऊपर लगाया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इस डील को लेकर अंतर मंत्रालयी कमेटी में चर्चा हो चुकी है और जल्द ही इसे कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी के सामने अंतिम मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा।

सुशांत सिंह राजपूत केस

मुश्किलों में रिया, जांच एजेंसियों का पूरा फोकस उनके परिवार के सदस्यों पर

नई दिल्ली। सुशांत सिंह राजपूत केस की जांच के आगे बढ़ने के साथ ही नए-नए खुलासे हो रहे हैं। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बाद केस में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की भी एंट्री हो गई है। जांच के सातवें दिन गुरुवार को एजेंसियों का पूरा फोकस रिया चक्रवर्ती के परिवार को सदस्यों पर है। सीबीआई रिया के भाई शोविक चक्रवर्ती से डीआरडीओ के गेस्ट हाउस में पूछताछ कर रही है ।उधर, ईडी ने रिया के पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती को

एक बार फिर समन भेजा है। इसके अलावा सुशांत के दोस्त सिद्धार्थ पिठानी, कुक नीरज समेत कई और लोगों से भी पूछताछ हो रही है। वहीं, मामले में ईडी ने बिजनसमैन गौरव आर्या को भी समन भेजा। गौरव आर्या का नाम रिया के कथित ड्रग चैट में आया था। रिया की तरफ से परिवार को खतरा बताने के बाद मुंबई पुलिस ने एक कॉन्स्टेबल को रिया के घर पर तैनात किया गया। कांस्टेबल ने बताया कि वहां रिया चक्रवर्ती के पिता को सांता क्रूज़ पुलिस स्टेशन ले जाने आया है। पिता के साथ बदसलूकी को लेकर रिया चक्रवर्ती ने अपने बिल्डिंग कंपाउंड के अंदर का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्के पिता को वहां मौजूद मीडियाकर्मियों ने घेरा हुआ है। वीडियो में उन्होंने खुद को और अपने परिवार को जान का खतरा बताया है। रिया ने लिखा कि हम ईडी, सीबीआई और विभिन्न जांच अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं। मैं मुंबई पुलिस से अनुरोध करती हूं कि कृपया हमें सुरक्षा प्रदान करें ताकि हम इन जांच एजेंसियों के साथ सहयोग कर सकें। सुशांत केस में ड्रग्स की जांच के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने एक टीम बनाई है और यह टीम जांच के लिए दिल्ली से रवाना हो गई है।

केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर कोरोना संक्रमित

चंडीगढ़। केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोविड ?-19 की जांच में संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। फरीदाबाद के रहने वाले 63 वर्षीय सांसद ने हाल ही में उनके संपर्क में आए सभी लोगों से कोविड-19 की जांच कराने का अनुरोध किया है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि उन्होंने कुछ स्वास्थ्य समस्याओं को गंभीरता से लेकर खुद की जांच कराई। उन्होंने हिंदी में ट्वीट में कहा,स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों को गंभीरता से लेकर मैंने कोरोना टेस्ट करवाया जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छतीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें — कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

नौशेरा, जिला राजौरी में समय पर बचाव अभियान द्वारा बचाई गई कीमती जान

द्वीप पर फंसे व्यक्ति को भारतीय सेना ने हेलिकॉप्टर की मदद से सुरक्षित निकाला

नौशेरा। 26 अगस्त 2020 को, जम्मू क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही थी । इस के चलते नौशेरा, जिला राजौरी के दक्षिण में बहने वाली नदी के अंदर एक मैरून द्वीप पर एक व्यक्ति फंसा हुआ था। नागरिक प्रशासन और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ भारतीय सेना सुबह से ही हरकत में थी लेकिन पानी के बढ़ते स्तर ने बचाव के लिए हवाई प्रयास की आवश्यकता जताई। स्क्वाड्रन लीडर गणेश प्रसाद होनकुप्पे की कप्तानी वाली हेलीकॉप्टर यूनिट के अविकसित भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर को तुरंत व्यक्ति को बचाने के लिए सेवा में लगाया गया। हेलीकॉप्टर 18-15 बजे के आसपास बचाव स्थल पर पहुंचा। चालक दल ने हेलीकॉप्टर को जमीन के करीब लाने के लिए

जल्दी से एक उपयुक्त स्थान का चयन किया क्योंकि लैंडिंग के लिए कोई उपयुक्त स्थान उपलब्ध नहीं था। दो गरुड़ विशेष बल के कमांडो को तब द्वीप पर उतारा गया और वह व्यक्ति पहुंचा जो सदमे में था और अनुत्तरदायी था। कमांडो ने व्यक्ति को उठा लिया, उसे लाया और उसे हेलिकॉप्टर के अंदर रखा। इस के बाद व्यक्ति को तब नौशेरा सेना क्षेत्र में निकटतम लैंडिंग ग्राउंड अविकारी स्थान पर पहुंचाया गया और उसे आगे के उपचार के लिए नागरिक अधिकारियों को सौंप दिया गया। वायुसेना ने तेजी से प्रतिक्रिया दी और रात के दौरान जल स्तर खतरनाक स्तर तक बढ़ने से पहले व्यक्ति को बचाया। सफल मिशन को ग्रुप कैप्टन संदीप सिंह द्वारा बहुत समन्वित किया गया।

तहसीलदार बेरीपत्तन ने बांटे डोमिसाइल प्रमाण पत्र

सुंदरबनी। जिला राजौरी के उपजिला सुंदरबनी में तहसीलदार वेरीपतन ने गांव टांडा में डोमिसाइल सर्टिफिकेट वितरित किए । कोविड -19 के चलते पंचायत तला टांडा के लोगों से मांग की जा रही थी कि डोमिसाइल सर्टिफिकेट उनकी पंचायत तला टांडा में ही बनाए जाएं इसके चलते तहसीलदार बैरीपतन सुनीत सिंह ने डोमिसाइल सर्टिफिकेट गांव टांडा में बनाने का निर्णय लिया ।तहसीलदार बैरीपतन के साथ विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे । तहसीलदार बैरीपत्तन ने लगभग 500 के पार डोमिसाइल प्रमाण पत्र बनाकर लोगों को वितरित किए ।सरपंच मोहन सिंह पंचायत तला टांडा ने कहा तहसीलदार बेरीपतन ने जो सराहनीय कार्य किया है उसके लिए हम पंचायत तला टांडा के गांववासी आभारी है। तहसीलदार वेरीपत्तन ने साथ मे लोगों को जागरूक भी किया कि इस महामारी से बचें, ज्यादा भीड़ भाड़ में ना जाए, घर पर रहे और सुरक्षित रहे । तहसीलदार वेरीपतन ने कहा हमारी कोशिश रहेगी कि तहसील बैरीपतन के लोगों को तहसील विभाग की तरफ से कोई परेशानी ना आए ओर हम इसी तरह गांव-गांव में जाकर डोमिसाइल वितरित करेंगे। सरपंच मोहन सिंह और स्थानीय लोगों ने तहसीलदार वेरीपतन और उनके स्टाफ मेंबर्स का शुक्रिया अदा किया।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने की सुरक्षा कानून की मांग

रिपोर्टर खेरागढ़। राजकुमार राजपूत

खेरागढ़ खेरागढ़ तहसील मुख्यालय पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तत्वाधान में पत्रकारों ने उपजिलाधिकारी अंकुर कोशिक व क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। पत्रकार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मांग की है कि बलिया में पत्रकार रतन सिंह की बदमाशों द्वारा हत्या कर दी गई। जिसके अपराधियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने की मांग करते हुए कहा है कि पत्रकारों के साथ आए दिन घटनाएं हो रही है जिससे पत्रकार भयभीत हैं। ऐसे में प्रदेश सरकार को पत्रकार सुरक्षा कानून

दूसरे राज्यों की तरह उत्तर प्रदेश में भी लागू करना चाहिए। पत्रकारों ने बलिया की घटना पर शोक प्रकट करते हुए मृतक पत्रकार को श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्रामीण पत्रकार एशोसिएशन ने मृतक पत्रकार रतन सिंह को सरकार ने दस लाख रुपए सहायता प्रदान की है जो बहुत कम है उन्हें पचास लाख रुपए मुआवजा राशि देनें की सरकार से मांग करते हुए मृतक परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दिलाने की मांग की है। इस मौके पर तहसील अध्यक्ष विष्णु सिकरवार जिला कोषाध्यक्ष सोनू सिंघल श्रीकांत पाराशर अंकित शुक्ला अमित शुक्ला अजय मोदी राहुल शर्मा सुनील शर्मा टिंकू कुशवाह धर्मेंद्र सिकरवार नरेश राजपूत राजकुमार राजपूत आदि उपस्थित रहे।

1 से 15 सितम्बर के मध्य लगेंगे विद्युत शिकायत निवारण शिविर

मुरैना। नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में विद्युत देयकों से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए एक से 15 सितम्बर के बीच वितरण केन्द्र स्तर पर शिकायत निवारण शिविर लगाये जायेंगे। इन शिकायत निवारण शिविरों में बिजली बिल संबंधित शिकायतें जिनमें समय पर बिल वितरण नहीं होना, प्राप्त नहीं होना, अधिक राशि के बिल, गलत बिल जारी होना, ऑनलाइन बिल जनरेट नहीं होना, लॉकडाउन के संदर्भ में घोषित राहत प्रदान नहीं किया जाना एवं ऑनलाइन पेमेंट अपडेट नहीं होना सबंधी शिकायतों का निराकरण किया जायेगा। साथ ही मीटर संबंधी शिकायतें जिनमें समय पर रीडिंग नहीं होना, गलत रीडिंग, देरी से रीडिंग होना, ट्रांसफार्मर संबंधी शिकायतें और विद्युत प्रदाय संबंधी शिकायतें, नवीन कनेक्शन संबंधी शिकायतों का भी त्वरित निराकरण किया जाएगा।

मण्डल अध्यक्ष जगदीश सिंह के नेतृत्व में पोध रोपण हुआ

नारायणलाल सैणचा

पाली। सुरायता ग्राम पंचायत के मालपुरिया कल्ला गांव में आज मण्डल भाजपा अध्यक्ष जगदीश सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में पोध रोपण शुरू हुआ इस दौरान मण्डल के महामंत्री हरीश कुमार सीरवी, मोहन सिंह राजपुरोहित, भरत सिंह राजपुरोहित,अमर सिंह,अमराराम सुरायता, घनश्याम वैष्णव, मोहन सीरवी मोजूद रहें। गांव में लगभग 60 पोधे भाजपा युवा नेता मान सिंह राजपुरोहित (छोटे सरकार) के नेतृत्व में लगवा रहे हैं मान सिंह राजपुरोहित प्रकृति के प्रति जागरूकता हर साल दिखाते हैं। इस दौरान गांव के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

उप चुनाव के लिये एस.एस.टी., एफ.एस.टी., व्हीएसटी, व्हीव्हीटी टीमों को प्रशिक्षण दिया

मुरैना। आगामी उपचुनाव 2020 को ध्यान में रखते हुये मुरैना जिले में 5 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव संपन्न होना है। इसके लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग वर्मा के मार्गदर्शन में एसएसटी, एफएसटी, व्हीव्हीएसटी और व्हीव्हीटी टीमों का गठन कर दिया गया है। यह टीम चुनाव के आचार संहिता लगते ही अपना कार्य प्रारंभ कर देंगी। इन टीमों को उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री एलके पाण्डे ने गुरूवार को पॉलीटेक्निक कॉलेज के कक्ष क्रमांक 112 में पहुंचकर प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण बतौर राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स श्री व्योमेश शर्मा द्वारा प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय बजरंगदल कर रहा दिन रात निरन्तर रूप से गौ सेवा

साहब ने तुरंत जेसीबी भेजी साथ पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में गाय का अंतिम संस्कार करवाया मौके पर जिला अध्यक्ष जीतेश ठाकुर ओर जिला महा मंत्री हनुमान ठाकुर ने बताया कि गाय के साथ हर रोज़ दुर्घटना हो रही है गौ साला होते हुए भी गाय मर रही है उनोने नगर अध्यक्ष धीरज राठौर को निर्देश दिया की संगठन की बैठक रखे और आगे से दुर्घना ना हो ऐसा कोई व्यवस्था बनाये ओर जिले की टीम मिलकर हर सम्भव मदद करेगी प्रशासन से मदद लेगी किसी भी प्रकार से ऐसी दुर्घनाओं को काबू में पाने का विचार बनाये घटना स्थल पर मौजूद ग्राम रुदउ प्रधान टिंनी सिकरवार भाजपा नेता नवीन राजावत मोनू सिकरवार योगेश राजपूत मलखान राजपूत कुलदीप सिकरवार अनूप बाल्मीकी ओर क्षेत्रिय लोग मौजूद रहे

स्थाई वारंटी को पोरसा पुलिस ने पकड़ने में सफलता अर्जित की

पोरसा। पोरसा पुलिस ने आज 1 स्थाई वारंटी को पकड़ने में सफलता अर्जित की है पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, एसडीओपी अवनीश बंसल के निर्देशन में चलाये जा रहे बारंटीयो को पकड़ने एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने का जो अभियान चलाया जा रहा है उसके तहत आज पोरसा पुलिस ने 1 स्थाई वारंटी को पकड़ने में सफलता अर्जित की है पोरसा थाना प्रभारी अतुल सिंह,एस आई धर्मेंद्र मालवीय, राजेश सिंह

कुशवाह जी एस पाराशर अनिल दोहरे गजेंद्र लोधी रविंद्र बरैया ,नरेंद्र सिंह, ,आदि टीम ने मुखबिर की सूचना पर अपराध क्रमांक थाना पोरसा के 332 /18धारा ,323, 294,506बी34ता हि के स्थाई वारंटी इलो उर्फ सतीश तोमर पुत्र दिनेश सिंह तोमर उम्र 25 वर्ष करके का पुरा कोथर कला को भिंड रोड साधू सिंह तिराहा पोरसा से गिरफ्तार किया उक्त सफलता पर पुलिस अधीक्षक मुरैना ने पुलिस टीम पोरसा को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

शिवसेना ने बैंक लोन पर ब्याज एवं बिजली बिल माफी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया

जम्मू-- शिवसेना बाला साहेब ठाकरे जम्मू-कश्मीर ईकाई ने बैंक लोन पर ब्याज एवं बिजली बिल माफी की मांग को लेकर आज सिडको चौंक बाडी ब्राह्मणा में प्रदर्शन किया। पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मनीश साहनी के नेतृत्व में अध्यक्ष महिला विंग मिनाक्षी छिब्बर,

महासचिव विकास बख्शी एवं सचिव राज सिंह समेत दर्जनों शिव सैनिकों ने उक्त मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी से जनता को राहत देने की अपील की गई । मिनाक्षी छिब्बर ने अपने संबोधन में कहा कि करोना संकटकाल के कारण पिछले 6 महीने से तमाम काम धंधे ठण्प है । उच्चतम न्यायालय ने भी ब्याज माफी को लेकर , सरकार के पाले में गेंद सिरका दी है , देखते हैं प्रधानमंत्री जनता को राहत देते हैं या नजरंअंदाज करते हैं ? । वहीं विकास बख्शी ने कहा कि करोना संकटकाल के दौरान 20 लाख करोड़ का राहत पैकेज तो हवा-हवाई ही रहा , अगर ब्याज एवं बिजली के बिल माफ कर दिए जाते हैं तो यह आम लोगों के लिए बहुत बड़ी राहत होगी।सचिव राज सिंह ने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद, जम्मू और कश्मीर की औद्योगिक इकाइयां बंद होने की कगार पर हैं, खपत में कमी का उत्पादन और रोजगार पर असर पड़ा है और लोग आधे वेतन पर भी काम करने को मजबूर हैं। ऐसी स्थिति में, बैंक ऋष्ण की एक किस्त का भुगतान करना लगभग असंभव हो गया है। ब्याज दरों और बिजली के बिलों की माफी आम जनता के लिए बड़ी राहत होगी। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी गुप्ता, संयुक्त सचिव राजू सलारिया, संजीव सूदन, पवन सिंह सहित कई शिव सैनिक उपस्थित थे।

मधुशाला साहित्यिक परिवार द्वारा राधोत्सव भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन सम्पन्न

उदयपुर(अर्पित गुप्ता)

मधुशाला साहित्यिक परिवार द्वारा कन्हैया दिवाना के संयोजन में राधाष्टमी के पावन पर्व पर भव्य राधोत्सव काव्य गोष्ठी का आयोजन वैश्विक महामारी कोरोना (कोविड - 19) के नियमो का ध्यान रखते, तथा सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करते हुए हर्षोल्लास के साथ कोणार्क केरियर इंस्टिट्यूट उदयपुर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोणार्क संस्था प्रधान पुष्कर सिंह जी राव ने

की। मुख्य अतिथि भूगोल विषय विशेषज्ञ ह्यद्म राठौड़ सर रहे। विशिष्ट अतिथि बृजनंदन जी एवं जसवंत जी रहे। कार्यक्रम की शुरुआत हर्षित पालीवाल ने सरस्वती वंदना से की,बाल कवि कार्तिक राज गुर्जर ने अभिमन्यु पर कविता सुनाई। चितौडगढ़ से युवा गज़लकार चीनू शर्मा अद्भुत ने दोस्ती पर ग़जल सुनाई। युवा रचनाकार मोहन पूरी एवं विक्रम मेहता ने प्रेम की परिभाषा देते हुए श्रंगार रस एक मुक्तक एवं गीत सुनाए। कार्यक्रम संयोजक कन्हैया दिवाना ने राधा कृष्ण पर छन्द सुनाए मधुशाला संस्थापक दीपेश पालीवाल ने मुहब्बत एवं जातिवाद कविता सुनाई। कार्यक्रम का संचालन गौरव कमलामणी ने किया। इस दौरान शिवानी गुर्जर ,मोहित व्यास ,प्रकाश अहीर मौजूद रहे।

होम आइसोलेशन के लिए गाइडलाइन जारी करें

मास्क लगाना और सावधानियों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए, मुख्यमंत्री चौहान ने कोरोना की स्थिति और व्यवस्थाओं की समीक्षा की

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के हर जिले में कोरोना के इलाज की चिन्हित शासकीय अस्पतालों में अच्छी व्यवस्था की गई है। साथ ही कुछ निजी चिकित्सालयों को भी अनुबंधित किया गया है, जहां कोरोना के इलाज की निन्शुल्क व्यवस्था है। बिना लक्षण वाले ऐसे मरीज, जिनके घर में व्यवस्था है, उन्हें %होम आइसोलेशन% में भी रखा जा रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि %होम आइसोलेशन% के लिए गाइडलाइन जारी की जाएं, जिससे घर पर भी मरीज का अच्छा इलाज एवं पूरी देखभाल हो सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि कोरोनासंक्रमण रोकने के लिए प्रत्येक जिले में

मास्क लगाना, सोशल डिस्टेंसिंग और बचाव के लिये आवश्यक सावधानियों का अनिवार्य रूप से पालन कराया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में वी.सी. के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश की कोरोना रिकवरी रेट 76.4 प्रतिशत हो गई है। प्रदेश की पॉजिटिविटी रेट 4.57 प्रतिशत तथा मृत्यु दर 2.24 प्रतिशत है। प्रदेश की प्रति 10 लाख टेस्टिंग 15,467 हो गई है। एक्टिव प्रकरणों के मान से प्रदेश का देश में 16वां स्थान है, यहां एक्टिव प्रकरणों की संख्या 12 हजार 422 है। प्रदेश में अब प्रतिदिन 23 हजार से अधिक टेस्ट हो रहे हैं। जिलेवार समीक्षा में पाया गया कि कोरोना के इंदौर में सर्वाधिक 171 नए प्रकरण आए हैं, वहीं ग्वालियर में 156, भोपाल में 155, जबलपुर में 126, झाबुआ में 49, शिवपुरी में 43, धार में 36, खरगौन में 36, उज्जैन में 34 तथा सागर में 31 नए प्रकरण आए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इन सभी जिलों पर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव श्री सुलेमान ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में वर्तमान में कुल 2109 मरीज होम आइसोलेशन में है। उन्होंने बताया ? कि प्रत्येक जिले को निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि फीवर क्लीनिक्स पर कोरोना टेस्ट के लिए सैम्पल लिए जाने की व्यवस्था हो, जिससे कोई भी व्यक्ति वहां जाकर आसानी से अपना कोरोना टेस्ट करा सके।

नकली खाद-बीज विक्रय करने वालों पर हो कठोर कार्यवाही : मंत्री डॉ. भदौरिया

मंत्री डॉ. भदौरिया द्वारा सकराया में नवीन हाईस्कूल भवन का वर्चुअल लोकार्पण

भोपाल। सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविन्द सिंह भदौरिया ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि नकली खाद-बीज विक्रय करने वालों पर कठोर कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि यह भी विशेष ध्यान रखा जाए कि किसानों को अच्छी गुणवत्ता का खाद एवं बीज उपलब्ध हो साथ ही इनका वितरण भी अच्छी तरह से हो। मंत्री डॉ. भदौरिया गुरूवार को भिण्ड जिले के भ्रमण के दौरान जिलाधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे मंत्री डॉ. भदौरिया ने यह भी निर्देश दिए कि जिले में रेत के अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन करने वालों

पर सख्त कार्यवाही करें। अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन पूर्णरूप से रोका जाए। बैठक में मंत्री डॉ. भदौरिया ने अटल प्रोग्रेस-वे को लेकर भी कलेक्टर व एसडीएम से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रोग्रेस-वे प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अति महत्वाकांक्षी योजना है। अधिकारी इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, जिससे कि प्रोजेक्ट निर्धारित समय-सीमा में पूरा हो सके। मंत्री डॉ. भदौरिया ने भिण्ड जिले के प्रवास के दौरान अटेर विकासखंड के ग्राम सकराया में लगभग एक करोड़ रूपये की लागत से नव-निर्मित हाईस्कूल भवन का वर्चुअल लोकार्पण भी किया। उन्होंने यह भी कहा कि वे इस स्कूल का हायर सेकण्डरी में उन्नयन कराने का प्रयास करेंगे।

प्रधानमंत्री मध्यप्रदेश से करेंगे पीएम स्वनिधि में स्वीकृति-पत्र वितरण का शुभारंभ

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी मध्यप्रदेश से प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना में स्वीकृति-पत्र वितरण की शुरूआत सितम्बर माह में करेंगे। मध्यप्रदेश इस योजना में देश में नम्बर एक पर है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने यह बात नगरीय निकायों में कार्यों की समीक्षा के दौरान कही। श्री सिंह ने इस योजना में लापरवाही पर नगर पालिका कैलारस और पथरिया के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निलंबित करने के निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न योजनाओं में बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों की जहाँ सराहना की वहीं लक्ष्य के अनुरूप काम नहीं करने पर संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश भी दिये। श्री सिंह के निर्देशानुसार दोनों सीएमओ के निलंबन आदेश जारी कर दिये गये हैं। श्री सिंह ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना में 31 अगस्त तक एक लाख स्ट्रीट वेण्डर के प्रकरण स्वीकृत करें। उन्होंने कहा कि बैंक से समन्वय करें तथा जरूरत पड़ने पर जिला कलेक्टर से मदद लें। श्री सिंह ने योजना में अच्छा कार्य करने वाले निकायों की तारीफ करते हुए कहा कि इनका अनुकरण अन्य निकाय

करें। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रतिमाह नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सभी अधिकार अधिकारियों के पास हैं। अत~ कोई

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री सिंह ने की योजनाओं की समीक्षा, सिंह के निर्देश पर दो मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निलंबित करने के आदेश जारी

एक्सक्यूज नहीं चलेगा। किसी भी स्तर पर कार्य लंबित नहीं रहना चाहिए। प्रधानमंत्री आवास योजना में फर्स्ट फेज पूरा करने पर अगले फेज की राशि जल्द जारी करें। उन्होंने कहा कि 15 सितम्बर तक कार्य में प्रगति नहीं होने पर आपके निकाय के लिये आवंटित राशि जहाँ अच्छा काम हो रहा हैं, वहां ट्रांसफर कर दी जायेगी। श्री सिंह ने कहा कि सभी लोग मिलकर नगरों को स्वच्छ, सुन्दर, हरा-भरा कर स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 में मध्यप्रदेश को नंबर एक बनायें। उन्होंने स्वच्छ सर्वेक्षण-2020 में अच्छी रैंक पाने वाले इंदौर सहित अन्य नगरीय निकायों के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की सराहना की। श्री सिंह ने कहा कि अन्य नगरीय निकाय इनसे प्रेरणा लें और बेहतर से बेहतर कार्य करें। उन्होंने कहा कि सिर्फ बैनर लगाने और स्लोगन लिखने से काम नहीं चलेगा, इसके लिये फील्ड पर काम करना पड़ेगा। इस कार्य में समाज सेवियों और धार्मिक संस्थाओं का भी सहयोग लें। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि स्वच्छता अभियान की प्रदेश स्तर पर प्रतिमाह रैंकिंग की जायेगी। ठीक रिजल्ट नहीं आने पर कार्यवाही की जायेगी। मंत्री श्री सिंह ने %मास्क एक-जिंदगी अनेक% अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि निकायों ने इसमें ड्यूटी के साथ मानवता का कार्य भी किया है।

मध्यप्रदेश को शेष जीएसटी की क्षतिपूर्ति राशि शीघ्र उपलब्ध हो

जीएसटी काउंसिल की बैठक में वाणिज्यिक कर मंत्री देवड़ा

भोपाल। केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी काउंसिल की 41वीं बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्पन्न हुई। बैठक में मध्यप्रदेश की ओर से वाणिज्यिक कर, वित्त, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर श्रीमती दीपाली रस्तोगी उपस्थित रहे। मंत्री श्री देवड़ा ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में मध्यप्रदेश को 2600 करोड़ की क्षतिपूर्ति प्राप्त हुई है। इसके लिये श्री देवड़ा ने केन्द्रीय वित्त मंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने अनुरोध किया कि मध्यप्रदेश की शेष क्षतिपूर्ति राशि 5995 करोड़ भी शीघ्र उपलब्ध करायी जाये बैठक का एक मात्र एजेंडा राज्यों के जीएसटी राजस्व में आई कमी की क्षतिपूर्ति किये जाने से संबंधित था। बैठक में लगभग सभी सदस्यों द्वारा अपना मत रखा गया। कोरोना काल में राज्यों के जीएसटी संग्रहण में आई कमी की क्षतिपूर्ति किस प्रकार की जाये, इस पर विस्तृत विचार किया गया। लगभग आम सहमति बनी कि राज्यों द्वारा जीएसटी राजस्व में आई कमी की पूर्ति के लिये आरबीआई के माध्यम से लोन लिया जाये। इसका विस्तृत प्रस्ताव केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा शीघ्र ही राज्यों को भेजा जायेगा। प्रस्ताव प्राप्त होने के 7 कार्य दिवस के पश्चात पुन~ जीएसटी काउंसिल की बैठक कर आगामी निर्णय लिया जायेगा। बैठक में सभी राज्यों के काउंसिल सदस्य उपस्थित थे।

पोर्टल पर पंजीयन से शेष रहे प्रवासी श्रमिकों के लिये पुनः एक अवसर, 7 सितंबर से 11 सितंबर तक करा सकेंगे पंजीयन

भोपाल। राज्य सरकार द्वारा प्रवासी श्रमिकों को उनके कौशल अनुरूप रोजगार प्रदान के लिये %रोजगार सेतु% पोर्टल बनाया गया है। इस पोर्टल पर पंजीयन से वंचित रहे प्रवासी श्रमिकों को पंजीयन करवाने का एक और अवसर प्रदान किये जाने का निर्णय राज्य शासन द्वारा लिया गया है। इसके लिये 7 से 11 सितंबर की पाँच दिवसीय अवधि के लिये प्रवासी श्रमिकों के पंजीयन की सुविधा रोजगार सेतु पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। प्रमुख सचिव, श्रम ने सभी जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर ऐसे प्रवासी श्रमिकों का पंजीयन रोजगार सेतु पोर्टल पर करने के निर्देश दिये है, जो पोर्टल पर पंजीयन से वंचित रह गये है। प्रवासी श्रमिकों के पंजीयन के लिये जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों द्वारा ऐसे प्रवासी श्रमिकों को सूचीबद्ध किया जाएगा और कलेक्टर के माध्यम से इस आशय का सत्यापन होगा कि ये श्रमिक एक मार्च 2020 के बाद ही अन्य राज्यों से जिले में वापस लौटे हैं तथा पूर्व अभियान के दौरान इनका पंजीयन रोजगार सेतु पोर्टल पर नहीं हो सका था। श्रमिकों का सूचीकरण एवं सत्यापन की कार्यवाही 5 सितंबर तक करने के निर्देश दिये गये है। श्रमिकों को सूचीकरण और सत्यापन के बाद संबंधित निकाय द्वारा निर्धारित अवधि में अपने लॉगिन आई.डी. एवं पासवर्ड के माध्यम से पंजीकरण की कार्यवाही पूर्ण की जाएगी। गौरतलब है कि कोरोना संकटकाल मे मध्यप्रदेश के मूल निवासी प्रवासी श्रमिक जो एक मार्च 2020 या उसके उपरांत मध्यप्रदेश लौटे थे। उनके लिये 27 मई से 6 जून के मध्य चले अभियान चलाकर रोजगार सेतु पोर्टल में पंजीयन किया गया था।

प्रदेश में इस वर्ष 70 हजार आदिवासी विद्यार्थियों को दी जाएगी आवासीय सहायता

भोपाल। प्रदेश में आदिवासी वर्ग के विद्यार्थी जो अपने गृह निवास से बाहर रहकर महाविद्यालय स्तर की पढ़ाई कर रहे हैं। उन विद्यार्थियों को आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा आवास सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस वर्ष योजना में 70 हजार आदिवासी विद्यार्थियों को करीब 165 करोड़ रूपये की राशि आवासीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। आवास सहायता योजना में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर एवं उज्जैन नगर में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को 2000 रूपये प्रतिमाह, जिला मुख्यालय पर अध्ययन करने वाले प्रति विद्यार्थी को 1250 रूपये एवं तहसील व विकासखंड मुख्यालय पर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को प्रतिमाह 1000 रूपये की आवासीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा पिछले वर्ष 69 हजार 676 आदिवासी विद्यार्थियों को करीब 110 करोड़ रूपये की राशि आवासीय सहायता के रूप में उपलब्ध कराई गई थी।

आपकी जिंदगी में खुशियां आएं, यह हमारे जीवन का लक्ष्य है

प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्रहण, लघु वनोपज संग्रहण आदि से आदिवासियों को हुआ अच्छा लाभ, मुख्यमंत्री चौहान ने अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों से चर्चा की

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार आदिवासी भाई-बहनों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य का रही है। एक ओर जहां तेंदूपत्ता संग्रहण, लघु वनोपज संग्रहण आदि के माध्यम से उन्हें वनोपजों का अच्छा लाभ दिलाया जा रहा है, वहीं उचित मूल्य राशन, संबल योजना आदि के माध्यम से उनका पूरा ख्याल रखा जा रहा है। आदिवासियों को वनाधिकार पट्टे दिए जा रहे हैं तथा प्रदेश के सभी अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में उन्हें साहूकारों के चंगुल से मुक्त करने के लिए अवैध रूप से दिए गए ऋण को शून्य कर दिया गया है। आपकी जिन्दगी में खुशियां आएं, यह हमारे जीवन का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों से चर्चा कर रहे थे। बैठक में वन मंत्री श्री विजय शाह, प्रमुख सचिव वन श्री

अशोक वर्णवाल उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आदिवासी हितग्राहियों के साथ बातचीत के दौरान कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने महुआ सहित 14 वनोपजों के समर्थन मूल्य में वृद्धि की, जिसके परिणाम स्वरूप आदिवासियों को इनका बेहतर मूल्य मिला। सरकार ने इस बार महुए का मूल्य 35 रूपये प्रतिकिलो तय किया, जिससे इसका बाजार मूल्य 45 रूपये किलो तक बढ़ गया। अनूपपुर जिले के हितग्राही श्री विश्वनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री को बताया कि उसने इस वर्ष 5 क्विंटल महुए का संग्रहण किया, उसका महुआ 45 रूपये किलो में बिका। मुख्यमंत्री श्री चौहान को चंदेरी-अशोकनगर के हितग्राही श्री नोना पिता दरउआ कुशवाह ने बताया कि उन्हें इस बार तेंदूपत्ता संग्रहण से 21 हजार 250 रूपये मिले, साथ ही वर्ष 2018 के बोनस की राशि 9 हजार रूपये भी प्राप्त हुई। इसी के साथ 32 हजार रूपये का महुआ भी विक्रय किया। पिपरौदाउबारी वन समिति, शिवपुरी के करतार सिंह यादव को 5300 तेंदूपत्ता गड्डी विक्रय से 13 हजार 250 रूपये की राशि प्राप्त हुई, साथ ही 6410 रूपये बोनस भी मिला। लाड़कुई वन समिति सीहोर के ध्यानसिंह मांगीलाल ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को बताया कि उसे तेंदूपत्ता संग्रहण से 6 हजार रूपये तथा महुआ फूल विक्रय से 13 हजार 300 रूपये की राशि प्राप्त हुई। वन समिति विशनवाड़ा-2, गुना के श्री कप्तान सिंह को तेंदूपत्ता संग्रहण से 6000 रूपये तथा बोनस के 9000 रूपये मिले। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि आगामी 1 सितम्बर से प्रदेश के छूटे हुए 37 लाख गरीब परिवारों को रियायती दर पर गेहूँ, चावल, आयोडीन नमक, कैरोसिन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि इस योजना के लाभ से कोई गरीब वंचित न रहे, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ के बरखेड़ा पठानी प्रसंस्करण केन्द्र द्वारा तैयार किए गए 卐विंध्य हर्बल रोग प्रतिरोधी किट卐 को लॉन्च किया। इस किट में 8 प्रकार की आयुर्वेदिक रोग प्रतिरोधक दवाएं हैं,जिनका कुल मूल्य 480 रूपये रखा गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इसमें शामिल त्रिकटु चूर्ण, गिलोय चूर्ण, संशमनी वटी, अणु तेल, कालमेघ चूर्ण, अश्वगंधा चूर्ण, वनीय शहद तथा अर्जुन हर्बल चाय सभी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक है।

संपादकीए

पाकिस्तान का उलट-पैंतरा

संयुक्तराष्ट्र संघ में पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम ने एक ऐसा पैंतरा मारा है, जिसे देखकर उन पर तरस आता है। उन्होंने पाकिस्तान की इमरान सरकार की भद्द पीट कर रख दी है। अकरम ने दावा किया है कि उन्होंने सुरक्षा परिषद में भाषण देकर 'भारतीय आतंकवाद' की निंदा की है। अकरम से कोई पूछे कि सुरक्षा परिषद में आपको घुसने किसने दिया ? 15 सदस्यी सुरक्षा परिषद का पाकिस्तान सदस्य है ही नहीं। गैर-सदस्य उसकी बैठक में जा ही नहीं सकता। संयुक्तराष्ट्र के महासचिव ने एक बैठक बुलाई थी, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के बारे में। इस बैठक का एक फोटो जर्मन दूतावास ने जारी किया है, जिसमें पाकिस्तान का प्रतिनिधि कहीं नहीं है। फिर भी पाकिस्तानी दूतावास ने जो बयान जारी किया है, वह झूठों का ऐसा पुलिंदा है, जिस पर खुद पाकिस्तानी लोग विश्वास नहीं करते। पहला, अकरम ने दावा किया है कि अल-क़ायदा गिरोह का खात्मा और उसामा बिन लादेन का सफाया पाकिस्तान ने किया है। सबको पता है कि उसामा को अमेरिका ने मारा था और इमरान उसे 'शहीद उसामा' कहते रहे हैं। दूसरा, यह भी मनगढ़ंत गप्प है कि भारत ने कुछ आतंकवादियों को भाड़े पर ले रखा है, जो पाकिस्तान में हिंसा फैला रहे हैं। सच्चाई तो यह है पाकिस्तान अपने आतंकवादियों से भारत से भी ज्यादा तंग है। खुद इमरान ने पिछले साल संयुक्तराष्ट्र महासभा के अपने भाषण में कहा था कि उनके देश में 40 से 50 हजार दहशतगर्द सक्रिय हैं। तीसरा, पाकिस्तान ने अपनी नीति को भारत की नीति बता दिया। भारत सीमा-पार आतंकवाद क्यों फैलाएगा। चौथा, 1267 प्रस्ताव की प्रतिबंधित आतंकवादियों की सूची में भारतीयों के नाम भी हैं, यह सरासर झूठ है। उसमें एक भी भारतीय का नाम नहीं है। पांचवां, अकरम का यह कहना भी गलत है कि भारत में अल्पसंख्यकों का जीना हराम है। वास्तव में 1947 में पाकिस्तान में 23 प्रतिशत अल्पसंख्यक थे जबकि अब 3 प्रतिशत रह गए हैं। भारत में अल्पसंख्यक लोग कई बार राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री तक बने हैं। मुनीर अकरम ने भारत के विरुद्ध ये बेबुनियाद आरोप लगाकर इमरान सरकार की जगहंसाई करवा दी है। प्रधानमंत्री इमरान खान को चाहिए कि वे मुनीर अकरम को इस्लामाबाद बुलाकर डांट पिलाएं। इन्हीं गैर-जिम्मेदाराना बयानों के कारण इस्लामी देशों में भी पाकिस्तान की साख गिरती जा रही है।

29 अगस्त-राष्ट्रीय खेल दिवस विशेष

गेंद नियंत्रण कला में महारथ हॉकी के जादूगर-मेजर ध्यानचंद'

अलग-अलग देश अपने राष्ट्रीय खेल दिवस को अपने इतिहास और तिथियों के अनुसार अलग-अलग दिनांक पर मनाते हैं जिन्हें उनके खेल समिति ने घोषित किया है। भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस (जिसे नेशनल स्पोर्ट्स डे भी कहा जाता है) हर साल 29 अगस्त को बहुत उत्साह और जोश के साथ मनाया जाता है। सभी आयु वर्ग के लोग खेल में भाग लेते हैं जैसे मैराथन, कबड्डी, बास्केटबॉल, हॉकी आदि। यह दिन न केवल लोगों के लिए मनोरंजन के रूप में काम करता है बल्कि एक व्यक्ति के जीवन में खेल की भूमिका के बारे में भी जागरूकता फ़ैलाता है। इस दिन युवा पीढ़ी की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को पहचानने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। यह कहना भी प्रासंगिक है कि भौतिक गतिविधियों का उपयोग कई देशों द्वारा सांस्कृतिक गतिविधियों के रूप में किया जाता है। इससे यह भी स्पष्ट हो जाता है कि खेल और खेल की अवधारणा की धुन कभी दिमाग से नहीं निकल सकती। पूरे भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस का जश्न शनिवार 29 अगस्त 2020 को मनाया जाएगा। भारत में हर वर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाने का सबसे बड़ा कारण है कि हॉकी प्लेयर मेजर ध्यानचंद जो के हॉकी के जादूगर के नाम से प्रसिद्ध रहे थे इस दिन उनका जन्मदिन आता है। मेजर ध्यानचंद एक ऐसे महान हॉकी के प्लेयर थे जिन के जन्मदिन पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाने की घोषणा की गई उनका जन्म 29 अगस्त 1905 को भारत के इलाहाबाद शहर में हुआ था इस दिन ही हमारे भारत देश को हॉकी का महान प्लेयर भी मिला। मेजर ध्यानचंद को हॉकी खेल में

उनके सबसे उत्तम प्रदर्शन के लिए उन्हें पूरे विश्व भर में जाना जाता है इसलिए उनके जन्मदिवस पर हर वर्ष खेल दिवस मनाने की घोषणा की गई। उन्हें अपनी गेंद नियंत्रण की कला में महारथ के लिए ÷विज़ार्ड÷ कहा जाता था। उन्होंने 1948 में अपने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान 400 से अधिक गोल किए। भारत सरकार ने 1956 में भारत के तीसरे उच्चतम सम्मान पद्म भूषण के साथ ध्यानचंद को सम्मानित किया। इसलिए उनका जन्मदिन 29 अगस्त भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। हॉकी के प्लेयर मेजर ध्यानचंद सिंह जिन्होंने भारत को ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक दिलवाया उनके प्रति सम्मान प्रगट और श्रद्धाजलि देने के लिए उनके जन्मदिन 29 अगस्त को हर साल भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस के रुप में मनाया जाता है इसी दिन उत्कृष्ट (सर्वश्रेष्ठ) प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्टपति भवन में भारत के राष्टपति खेलों में विशेष योगदान देने के लिए राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। जिसमें राजीव गांधी खेल रत्न ध्यानचंद पुरस्कार और द्रोणाचार्य पुरस्कारों के अलावा तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार अर्जुन पुरस्कार प्रमुख हैं। खेल दिवस मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य यह भी है कि देश के युवाओं में खेल की भावना को उजागर किया जा सके और उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके ताकि वह खेलों में भाग लेकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देश का नाम चमका सकें इसके साथ ही वह देश का नाम तो ऊंचा करेंगे ही साथ ही राष्ट्रीय गौरव भी बढ़ाएंगे। राष्ट्रीय खेल दिवस का महत्व असीम है। यह केवल इस दिन का जश्न मनाने के बारे में ही नहीं है बल्कि देश भर में खेलों और खेलों की भावना का जश्न मनाने के बारे में है। उत्सव का मतलब है कि इस दिन के महत्व पर प्रकाश डालना और खेल के प्रति जनता का ध्यान आकर्षित करना। इस तरह के दिवस युवाओं को मान्यता देते हैं, रोजगार प्रदान करते हैं और विभिन्न प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन के बारे में जागरूकता पैदा करते हैं।

गोपाल कृष्ण पटेल
दीनदयाल कॉलोनी
जांजगीर छत्तीसगढ़

आज का इंसान

ऐसा होता है आज का इंसान!!
सांप से भी ज्यादा दंशवान,
इस कदर है हैवान।
इंसान मरता है सांप के काटने से,
लेकिन ये इंसान!
इंसान के काटे बिना ही,
इंसान द्वारा ही मार दिया जाता है।
सांप काटने से पहले फुंफकारता है,
लेकिन ये इंसान!
चुपचाप बिना फुंफकारे ही डस लेता है।
जब तक समझ में आता है,
तब तक उसका काम तमाम हो जाता है।
सांप तो अक्सर ही केंचूली बदलता है,
लेकिन ये इंसान!
ओढे रहता है केंचूली पर केंचूली,
कैसे पहचानोगे इस इंसान को,
जिसकी खुद की,
खुद को नहीं होती है कोई पहचान।
ऐसा होता है आज का इंसान!!

रचनाकार- ठाकराराम प्रजापत
अध्यापक- राजकीय प्राथमिक विद्यालय आकल की ढाणी, बालोतरा, जिला- बाड़मेर।।
मोबाइल नंबर- 9680775712

अद्भुत भिखारी

रेड लाइट होते ही सारी गाड़ियां रुक जाती है... एक औसत कद काठी का सांवले रंग का व्यक्ति भगवान राम की तस्वीर थाली में रखकर ट्रैफिक सिग्नल पर भीख मांग रहा है.. उसके पैरों में चप्पल भी नहीं है और कपड़े भी फटे पुराने हैं...वो एक कार के पास जाकर खड़ा हो जाता है और तस्वीर को कार की खिड़की पर दिखा कर भीख मांग रहा है... कार में बैठा व्यक्ति उसे चले जाने का इशारा करता है.. परंतु वह भिखारी नहीं हटता... वह बार-बार राम जी की तस्वीर दिखा कर भीख मांगता रहता है..

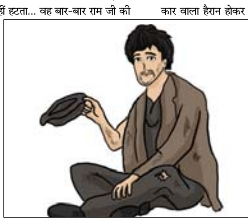

कार में बैठा व्यक्ति चिड़ जाता है और खिड़की नीचे करके बोलता है..÷ मैं मुसलमान हूं÷ ÷ओ... अच्छा... ÷ यह कहकर भिकारी उस थाली से राम जी की तस्वीर को उठा कर अपने थैले में रख लेता है और उसकी जगह मक्का मदीना के काबा की तस्वीर को थाली में रख देता है... यह देखकर वह मुसलमान व्यक्ति हैरान होकर गुस्से में कहता है ÷÷ बड़े अजीब आदमी हो तुम यार, शर्म नहीं आती तुम्हें... दोनों धर्मों को साथ में लेकर घूम रहे हो...÷ भिकारी विनम्रता के साथ कहता है ÷÷ भाई साहब क्या सभी धर्मों में वह एक ही परमात्मा नहीं है÷ नहीं.. सिर्फ अल्लाह ही एक है, बाकी सब ढकोसले बाज़ी है तो क्या दूसरे धर्मों को मानने वाले लोगों को जीने का अधिकार नहीं है..?? . फिर वह लोग कैसे जी रहे हैं? उन्होंने भी तो किसी ना किसी को खुदा माना हुआ है और वह उनकी हिफाजत भी करता है... धर्म का आधार तो इंसानियत है साहब... जहां इंसानियत ही नहीं वहां धर्म कैसा...अच्छा.. अगर मैं कहता कि मैं ईसाई हूं तो÷ भिकारी यह सुनकर तुरंत अपने गले में पहना क्रॉस का लॉकेट उसे दिखा देता है... कार वाला हैरान होकर पूछता है ÷तू इतने सारे धर्मों को मानता है फिर भी तुझे भीख मांगनी पड़ रही है? ÷ मैं भिखारी नहीं हूं भाई साहब... मेरा खुद का बिजनेस है... मार्केट में मेरे दो शोरूम है और एक बिल्डिंग भी है जिसका किराया आता है... हर महीने की मेरी कमाई चार लाख रूपये है और मैंने एक एनजीओ भी खोला है... कल्याण नाम से.. मणिमाजरा में... गूगल पर देख लेना÷

कार वाला हैरान होकर पूछता है..अगर इतना सब कुछ है तो फिर भीख क्यों मांगते हो?? भीख मांगना तो एक नाटक है साहब.. मैं तो लोगों के मन पर पड़े झूठ के पर्दे हटाने की कोशिश करता हूं÷ तो तुम्हे ट्रैफिक सिग्नल से अच्छी कोई जगह नहीं मिली ?? नहीं साहब.. ट्रैफिक सिग्नल से अच्छी कोई जगह नहीं हो सकती क्योंकि यहां से व्यक्ति कही नहीं भाग सकता..... जब तक ट्रैफिक सिग्नल ग्रीन नहीं हो जाता ÷ कार वाला व्यक्ति यह सुनकर जोर से हंसने लगता है.. उसे हंसता देखकर.. भिखारी मुस्कुराने लगता है..

अच्छा... वैसे.. ये तो बताओ तुम्हारा जन्म कौन सी कौम में हुआ है?? ÷ हंसते हुए कार वाला पूछता है..मैं अनाथ था भाई साहब और अब सारा संसार मेरा परिवार है भिखारी के यह कहते ही ट्रैफिक सिग्नल ग्रीन हो जाता है... लेकिन कार में बैठा व्यक्ति स्तब्ध रह जाता है... पीछे से आ रही गाड़ियों की आवाज सुनकर उसका ध्यान भंग हो जाता है और वो अपनी गाड़ी स्टार्ट करके जाने लगता है... वह जाते हुए उस भिखारी को देख रहा है जो अब सड़क के किनारे पर खड़े होकर मस्करा रहा है...!

आकाश राठौड़
दरिया,चंडीगढ़

मन का दीप जलाओ

बाहर दीप जला कर रखना,दूर होता है अँधियारा।
मनका दीप जलाओ भीतर,बहे ज्ञान सुधा रस धारा।
दीपक जलता मन खुश होता,
रोशन कण कण है हो जाता।
भरता कदम निडर हो कर के,
मन भीतर तब भी भय खाता।
जब तक मनका दीपक न जले,
निर्जन में भी मन घबराता।
मन दीपक साहस , धैर्य का,
जलता मन उत्साहित हो जाता।
जब है भीतर नहीं जल जाता।
दीपक की लौ देख के ही,पथिक है छू लेता किनारा।
मन का दीप जलाओ भीतर,बहे ज्ञान सुधा रस धारा।
मन का दीपक ज्ञान बरसाता,
शुद्ध आचरण बनें संस्कारी।
ज्ञान बाँटता जग में फिरता,
जन जीवन का बन उपकारी।
बाहर भीतर दीपक जलते,
लोभ मिटे बनें हितकारी।
उज्जवलतन मन है हो जाता,
त्याग बँधन निज हितकारी।
प्यार की जोत जला कर के,है
करे जग को उजियारा।
मन का दीप जलाओ भीतर,बहे
ज्ञान सुधा रस धारा।
दीप जले समरता का तब,
मिट जाती है मेरा मेरी।
भेद भाव मन से मिट जाते,
प्रेम मिलन की बजती भेरी।
दीपक जले विकार मिटते,
ज्ञान दीपक अज्ञान मिटाता।
औरों के लिए दीपक जलता,
खुश रहना जीना सीखाता।
जग मग दीपक मन दीप से, फूले फले भाईचारा।
मन का दीप जलाओ भीतर,बहे ज्ञान सुधा रस धारा।

शिव सन्याल
गा.डा.मकड़ाहन
ज्वाली कांगड़ा हि.प्र

..स्त्री सम्मान....

ना देख मेरे तू मुखड़े को,
मै भी तो इक स्त्री हूँ,
घर मे तेरी माँ बहने जो है,
रुप उन्हीं का मैं भी तो हूँ।

कितना भरा पाप तेरे मन में,
तू खूद को मर्द कहता है,
करके मेरी इज्जत पर वार,
अपने बहन का तन ढ़कता है।

देख तू उस नजर से मुझे,
तेरी बहन नजर आऊंगी,
माँ के रुप में जननी का,
ही रुप नजर आऊंगी।

भद्दे शब्दों का वार कर मुझ पर,
तू अपनी महानता बतलाता है,
उपर वाला सब कुछ देखता,
फिर क्यूँ नजरे चुराता है ??

मै माँ भी हूँ,बहन भी हूँ,
हूँ मैं किसी की अर्धांगिनी,
उजड़ गयी जो इक बार मेरी दुनियाँ,
दुःख ही दुःख का सागर होगा,
फिर आँसुओ से सजती है दुनियाँ।

सोच कर तू देख जरा,
कितना सब कुछ हम सहते हैं,
माँ का घर छोड़कर
आँसुओ के दर्द में भी पलते हैं।

तू क्यूँ मुझे अपमानित कर,
मेरा मान घटाता है,
अपनी चुट्टी हरकत से तू,
क्यूँ मेरे सम्मान को चोट पहुँचाता है??

.....अंशिता दुबे
लंदन

कुर्सी की खुमारी

हमने कोशिश से निष्पक्ष जिदंगी गुजारी है,
चारो तरफ पक्षपात करते फैले शिकारी है 7

चाटुकार झोंके संग जली ऐसी चिंगारी है,
ईमानदारी पर लगातार दबाव होता जारी है 7

धुर्त अपनी चालों से श्रवणेन्द्रियों में जहर घोल,
पैदा कर मुश्किले दिखाते कितनी होशियारी है 7

अन्याय के विरुद्ध आवाज को ही हथियार बना,
जंग जिस्त की दोस्तों हौंसलों से ही जारी है7

ओहदे से संक्रमित होती जो अहम की बीमारी,
आखिर कितने दिन तक कुर्सी की ये खुमारी है7

सदव्यवहार का दीपक जीते जी ही जला लो,
जाने कब हार जाओगे जिदंगी से, ये जुआरी है 7

मेरे साथ बिताये पलों को फुर्सत में जब सोचोगे,
तब ÷सीमा÷ मुरीद होने की,फिर तुम्हारी बारी है 7

स्वरचित, मौलिक रचना –
सीमा लोहिया
झुंझूनू (राजस्थान)

उत्तम संयम करें मन का दिशा दर्शन

नदी को सागर तक की यात्रा के लिये किनारों का बंधन स्वीकार करना अनिवार्य है। इसी बंधन का नाम संयम है। जीवन की धारा को एक निश्चित दिशा और नियंत्रित वेग में प्रवाहित करने का नाम है संयम । अपने मन और इन्द्रियों को नियंत्रित रखकर जीवन को आगे बढ़ाने का नाम है संयम । संयमपूर्ण जीवन का मतलब है स्वस्थ्य, व्यवस्थित और संतुलित जीवन शैली ।

संयम के अभाव में जीवन का कोई उपयोग नहीं। जीवन की सार्थकता संयम में है। टिमटिमाते दीपक के प्रकाश में हम कुछ पढ़ नहीं सकते । उसका प्रकाश सघन नहीं होता । कभी- कभी हमारी श्वासों से भी उसके बुझने का भय रहता है। लेकिन उसी दीपक पर यदि कोई चिमनी रख दी जाये तो उसकी आभा निखर उठती है। उसकी सघन आशा में पर्याप्त प्रकाश पा सकते हैं। संयम की आराधना ही जीवन की श्रेष्ठ साधना है। अपने मन और इंन्द्रियों पर नियंत्रण रखना संयम है। अपने भटकते हुए मन और विपथगामी इन्द्रियों को रोके बिना जीवन का उद्धार संभव नहीं है। इसलिये गीता में श्री कृष्ण ने कहा है ''असंयतात्मना योगो दुष्प्राप इति मे वचः'' असंयत आत्मा के लिये योग की उपलब्धि असंभव है। मन और इन्द्रियाँ मनुष्य की दो मौलिक शक्तियाँ हैं। पूरे प्राणी जगत में जितना सक्षम मन और जितनी समर्थ इन्द्रियाँ मनुष्य को प्राप्त है, उतनी संसार के किसी भी प्राणी को नहीं । आज मनुष्य का जीवन पूरी तरह पराधीन हो गया है। यह पराधीनता ही दुख का मूल कारण है। क्योंकि

इन्द्रिय चेतना एक मृग मरीचिका है जिसमें मनुष्य को भटकन प्यास और अतृप्ति के अतिरिक्त और कुछ नहीं मिलता । इन्द्रिय चेतना हमारी आत्मा को भटकाती है। मनुष्य के मन में इन्द्रिय विषयों के प्रति आसक्ति होती है। गीता में कहा है इन्द्रिय विषयों के संयोग से उत्पन्न होने वाले भोग विषयी पुरूष को भले ही सुख रूप प्रतीत हों, पर यथार्थतः वे दुख के जनक हैं। आदि अन्त वाले नाशवान अनित्य है। है अर्जुन । बुद्धिमान दूरदर्शी मनुष्य इसमें रमण नहीं करता, उनमें आसक्त नहीं होता । इन्द्रियों को अपने विषयों से हटाकर अपने अपने गोलक में स्थपित कर देना ही वास्तविक इंन्द्रिय विजय है। इन्द्रिय विजय का मतलब इन्द्रियों को नष्ट करना नहीं है। इन्द्रियों के साथ तोड-फोड करना कदापि हितकर नहीं है। इंन्द्रिय विजय का सच्चा अर्थ विषयों की ओर भटक रही बहिर्मुखी इन्द्रियों को अपनी और मोड़कर अपनी सेविका बनाकर उनका सद्उपयोग करना है। जिसने अपने मन को जीत लिया है वही जगत को जीत सकता हें मनोविजय ही जगत की विजय है। मनोविजय के अभाव में मनुष्य चाहे जितना भी साधन सम्पन्न क्यों न हो, वह सक्षम नहीं हो सकता । वर्तमान में मानव की शक्ति विस्तीर्ण होती जा रहीं है, लेकिन वह स्वयं शक्तिहीन होता जा रहा है। आत्म संयम की रक्षा अपने खजाने के समान करना चाहिये। क्योंकि उससे बढ़कर जीवन में और कोई निधि नही है। मन की वृतियों को दबाने मात्र से मन की जय नहीं होगी । ऐसा करने से बाहर से ये दिखाई देता है कि उन पर विजय हो गई पर अन्दर वे बनी रहती हे। और निमित्त मिलते ही पुनः उभर आती है। अतः मन को नियंत्रित करने का यही सही तरीका नहीं माना जा सकता । उसका सही तरीका प्रवाह परिवर्तन । अर्थात उन शक्तियों को अपने आप मे रहीं हुई वृतियों/प्रवृतियों के साथ परिचय करना उनकी उपयोगिता जानना और फिर उनसे मैत्री करके उनके प्रवाह को मोडना, उन्हे अपना सहयोगी बना लेना यही मनोविजय अथवा उत्तम संयम है।

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में राष्ट्रीय प्रदर्शनी मेले में विशालकाय डायनासोर को देखते बच्चे। कोविड-19 के कारण लंबे समय तक चलने वाले इस राष्ट्रीय मेले का अयोजन 22 से 30 अगस्त की किया जा रहा है।

बाइडेन और कमला हैरिस ने गणेश चतुर्थी पर दी बधाई

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्टपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन और उपराष्टपति प्रत्याशी कमला हैरिस ने शनिवार को अमेरिका, भारत और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रह रहे हिंदुओं को गणेश चतुर्थी की बधाई दी। बाइडेन ने ट्वीट किया कि अमेरिका, भारत और पूरी दुनिया में गणेश चतुर्थी मना रहे सभी लोगों के लिए कामना है कि आप सभी बाधाओं को पार पाएं, बुद्धिमत्ता का आशीर्वाद मिले और नई शुरुआत का मार्ग प्रशस्त हो। वहीं, कमला हैरिस ने बाइडेन के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा कि जो बाइडेन के साथ आप सभी को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। बता दें कि भारत में 10 दिवसीय

गणेश चतुर्थी का शनिवार को धूमधाम से आगाज हुआ। हालांकि इस दौरान कोरोना के प्रभाव के कारण मुंबई सहित देश के अनेक हिस्सों में गणेश चतुर्थी का रंग फीका देखने को मिला। अमेरिकी राष्टपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के प्रचार अभियान छोटे धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों को रिझाने में पूरी शिद्दत से जुट गए हैं। अमेरिका में ऐसा पहले कभी देखने को नहीं मिला था कि राष्टपति पद के उम्मीदवार धार्मिक अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं को अपने पाले में करने के लिए जी तोड़ कोशिश कर रहे हैं। इससे अमेरिका में हिंदुओं के बढ़ते राजनीतिक महत्व का संकेत मिलता है। अमेरिका की 2016 की आबादी में हिंदुओं का प्रतिनिधित्व करीब एक प्रतिशत था।

ट्रंप और पॉर्न अभिनेत्री डेनियल्स के अवैध संबंधों के मामले में अदालत ने सुनाया फैसला

लास एंजिलिस। राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप और पॉर्न अभिनेत्री स्टॉर्मी डेनियल्स के अवैध संबंधों के मामले में अमेरिकी अदालत ने डेनियल्स के हक में फैसला सुनाया है। कैलिफोर्निया की अदालत ने राष्टपति ट्रंप को पॉर्न अभिनेत्री स्टॉर्मी डेनियल्स को उनकी कानूनी लड़ाई के लिए वकील के शुल्क के रूप में 44,100 डॉलर (लगभग 33 लाख रुपए) देने के आदेश दिया। एक दशक पहले उनके संबंधों के बारे में खामोश रहने के बदले में किए गए करार को डेनियल्स ने रद्द कर दिया था जिसके बाद अदालत का यह फैसला आया है।कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि 2016 के राष्टपति चुनाव के ठीक 11 दिन पहले हुए समझौते पर डेनियल्स ने ट्रंप के खिलाफ वाद जीत लिया है। समझौते के मुताबिक हारने वाले पक्ष को वकीलों का शुल्क अदा करना होगा। व्हाइट हाउस ने फिलहाल इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। राष्टपति के तत्कालीन निजी वकील माइकल कोहेन ने डेनियल्स को 1,30,000 डॉलर दिए थे। अभिनेत्री ने अपने कानूनी नाम स्टेफनी क्लिफॉर्ड के नाम से वाद दायर किया था। ट्रंप के निर्वाचित होने के बाद डेनियल्स ने समझौते को निष्प्रभावी करने के लिए मामला दायर किया। ट्रंप और उनके समर्थक इस बात से इंकार करते रहे कि राष्टपति को इसबारे में जानकारी थी लेकिन ट्रंप ने मई 2018 में ट्विटर पर स्वीकार कर कहा कि उन्होंने डेनियल्स को दी गयी राशि कोहेन को अदा की थी।

प्रतिनिधि सभा ने अमेरिकी डाक सेवा के कामकाज में बदलावों का विधेयक पारित किया

वाशिंगटन । अमेरिका में डाक मतपत्रों में देरी पर तीखी बहस के बाद हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स (प्रतिनिधि सभा) ने वह विधेयक पारित कर दिया जो हाल ही में अमेरिकी डाक सेवा के कामकाज में किए गए हालिया बदलावों को पलट देगा। इसमें देश में राष्टपति चुनाव से पहले एजेंसी को 25 अरब डॉलर की राशि देने का प्रावधान रखेगा। स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने रिपब्लिकन की आपत्तियों से सांसदों को अवगत कर उन्हें स्टंट बताकर खारिज कर दिया।इसके पहले राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार के ट्वीट में डाक के जरिए मतदान नहीं कराने की मांग की थी। उन्होंने कहा है कि वह डाक सेवा के लिए अतिरिक्त धनराशि नहीं देना चाहते हैं। पेलोसी ने कैपिटल में कहा,राष्टपति जो कह रहे हैं उस पर ध्यान मत दीजिए,क्योंकि यह सब मतदान को दबाने के लिए है।

भारत से हवाई हमले का डर, राफेल फाइटर से डरा ड्रैगन, एलओसी पर कर रहा हवाई किलेबंदी

पेइचिंग। लद्दाख में भारतीय जमीन पर कब?जा करने की कोशिश में लगा ड्रैगन समूचे उत?तर भारत से सटे अपने इलाकों में हवाई किलेबंदी को अत?याधुनिक बनाने में जुट गया है। सैटलाइट से मिली तस?वीरों में साफ दिखा रहा है क? चीन लद्दाख लेकर अरुणाचल प्रदेश की सीमा से लगे अपने इलाके में सात हवाई ठिकानों पर बड़े पैमाने पर सतह से हवा में मार करने में सक्षम मिसाइलें तैनात कर रहा है। चीन ने यह कदम उस समय पर उठाया है जब भारत ने हाल ही में राफेल फाइटर जेट को शामिल कर अंबाला में तैनात किया है। अब चीन को भारत के हवाई हमले का डर सता रहा है। मीडिया में आई खबरों में कहा जा रहा है कि चीन ने रूस से मिले अपने एस-400 मि?साइल डिफेंस सि?स?टम को भी यहां तैनात कर दिया है।एक एजेंसी ने तस?वीर को जारी कर बताया कि भारत के हवाई हमले के खतरे को देखकर चीन भारत से लगी सीमा के हर कोने में अपनी मिसाइलों को तैनात कर रहा है। यही नहीं भारत से तनाव को देखते हुए अपने पुरानी मिसाइलों और प्रणाली को अपग्रेड करने में जुट गया है। चीन ने लद्दाख से सटे अपने रुटोग काउंटी, नागरी कुंशा एयरपोर्ट, उत?तराखंड सीमा पर मानसरोवर झील, सिक्किम से सटे श?िगेज एयरपोर्ट और गोरग?गर हवाई ठिकाने, अरुणाचल प्रदेश से सटे मैनलिंग और लहूंजे में सतह से हवा में मार करने वाली मि?साइलें तैनात की हैं। इन ठिकानों पर चार से पांच मि?साइल लांचर तैनात हैं। इसके अलावा उनकी मदद के लिए रेडॉर और जेनेटर भी दिखाई दे रहे हैं। कुछ तस?वीरों में नजर आ रहा है कि चीनी मिसाइलें भारत से होने वाले किसी हवाई हमले के खतरे को देखते हुए पूरे अलर्ट मोड में है।

ईरान जाएंगे संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी प्रमुख

बर्लिन। संयुक्त राष्ट परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख अगले हफ्ते तेहरान जाएंगे ताकि ईरान के अधिकारियों पर उन स्थलों तक पहुंच देने के लिए दबाव बना सकें जहां समझा जाता है कि उसने ज्यादा परमाणु सामग्रियां जमा कर रखी हैं। यह जानकारी संगठन ने दी। अंतरराष्टीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रोसी द्वारा पिछले वर्ष दिसम्बर में पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली ईरान यात्रा होगी। साथ ही परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान पर काफी अधिक अंतरराष्टीय दबाव के बीच उनकी यह यात्रा हो रही है। उनकी यात्रा में मुख्य ध्यान उन स्थलों तक पहुंच की मांग करना होगा जहां उसने वर्ष 2000 के शुरुआती दिनों से पहुंच नहीं दी है। ईरान ने 2015 में विश्व शक्तियों के साथ परमाणु समझौता किया था। ईरान का कहना है कि आईएईए के निरीक्षकों को स्थलों के निरीक्षण का कोई कानूनी आधार नहीं है। ग्रोसी ने कहा ?कि मेरा उद्देश्य है कि तेहरान में मेरी बैठकों से लंबित सवालों के समाधान में ठोस प्रगति हो सके, ताकि ईरान में पहुंच के मुद्दे का समाधान किया जा सके। मुझे उम्मीद है कि ईरान की सरकार के साथ सार्थक एवं सहयोगी चैनल बनेगा ताकि सीधी वार्ता हो सके जो अब भी और भविष्य में भी मूल्यवान रहे। वियना में अंतरराष्टीय संगठनों के ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने ट्वीट किया ?कि हमें उम्मीद है कि इस दौरान परस्पर सहयोग और मजबूत होगा। अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रम्प 2018 में ईरान के साथ परमाणु समझौते से एकतरफा अलग हो गए थे। इसके बाद से फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, रूस और चीन इस समझौते को बरकरार रखने के लिए संघर्षरत हैं।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में शनिवार को हुए विस्फोट के बाद घटना स्थल की जांच करते अफगान सुरक्षा बल के सदस्य। को राजधानी काबुल में एक साइकिल बम के फटने से दो नागरिक घायल हो गए थे।

दक्षिण कोरिया में कोरोना संक्रमण के 397 नए मामले

सियोल । दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस संक्रमण के 397 नए मामले सामने आए हैं। देश में एक बार फिर से संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है, पिछले लगातार दस दिनों से आ रहे नए मामलों की संख्या तीन अंक में रही है। पिछले एक हफ्ते में देश की राजधानी के घनी आबादी वाले क्षेत्र में संक्रमण फैलने के साथ-साथ हर बड़े शहरों और प्रांतीय शहरों में मामले आने शुरू हो चुके हैं, जो देश के लिए एक बड़ा झटका है जो वायरस के खिलाफ अपनी संभावित जीत हासिल करने की ओर अग्रसर था। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए प्रशासन ने अब बड़े समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया है, रात्रिकालीन सैर स्थलों, समुद्र तटों और गिरजाघरों को बंद कर दिया है और पेशेवर खेल आयोजनों में लोगों के जाने पर पाबंदी लगा दी है। लगातार तीसरे दिन देश में संक्रमण के 300 से अधिक मामले सामने आए हैं।

कोरोना का प्रकोप जारी, दुनिया में अब तक 8 लाख से अधिक लोगों की जान गई

वॉशिंगटन। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। इसके बढ़ते संक्रमण के कारण ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस घातक वायरस से दुनियाभर में मरने वालों की संख्या 8 लाख के पार पहुंच गई है। वहीं, संक्रमितों की तादाद 2 करोड़ 33 लाख से ज्यादा हो गई है। कोरोना वायरस के मामलों में अमेरिका अब भी शीर्ष पर बना हुआ है। पिछले 24 घंटे में मेक्सिको में कोरोना ने कहर बरपाया है। यहां मरने वालों की तादाद 60 हजार से ज्यादा हो गई है। कोरोना वायरस के आंकड़ों पर नजर रखने वाली वेबसाइट वर्ल्डोमीटर के अनुसार, दुनियाभर में कोरोना वायरस के कुल मामले 23,368,635 पहुंच गए हैं, जबकि 808,379 लोगों की मौत हो गई है। अमेरिका में कोरोना के कुल मामलों की संख्या 5,841,428 तक पहुंच गई है। जबकि दूसरे स्थान पर ब्राजील काबिज है। ब्राजील में कोरोना वायरस के कुल केस 3,582,698 रिकॉर्ड किए गए हैं। भारत में कोविड-19 के मामलों की संख्या

शनिवार रात 30 लाख के आंकड़े को पार कर गई। अभी 16 दिन पहले ही यह संख्या 20 लाख के पार हुई थी। वहीं, दूसरी ओर कोरोना वायरस को शिकस्त देकर ठीक हुए लोगों की संख्या 22.71 लाख से अधिक हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे तक के आंकड़ों के अनुसार शनिवार को देश में महामारी के रिकॉर्ड 69,874 मामले सामने आए थे जिससे कुल मामलों की संख्या बढ़कर 29,75,701 हो गई। पिछले 24 घंटों में 945 और लोगों की मौत के साथ मृतकों की संख्या बढ़कर 55,794 हो गई। शनिवार को भारत ने 24 घंटों में 10 लाख से अधिक कोरोना वायरस टेस्ट कर नया रिकॉर्ड कायम किया है। इसके साथ ही देश में अब तक कुल 3,44,91,073 नमूनों की जांच की जा चुकी है। इसने कहा कि देश में कोविड-19 के 6,97,330 उपचाराधीन मामले हैं जो कुल मामलों का 23.43 प्रतिशत है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार शुक्रवार को 10,23,836 नमूनों की जांच के साथ ही 21 अगस्त तक 3,44,91,073 नमूनों की जांच की जा चुकी है।

हमें नहीं चाहिए बंदिशें

आज की महिला दो दशक पहले की महिलाओं की तुलना में ज्यादा आत्मनिर्भर हैं। उनके पास पहले की तुलना में कहीं ज्यादा अधिकार हैं। इन्हीं अधिकारों के बल पर महिलाएँ परंपरावादी भारतीय समाज में अपनी एक अलग जगह बना पा रही हैं। एक समय महिलाओं को सिर्फ घर संभालने योग्य ही समझा जाता था। इसके उलट आज की सुपर वुमन घर और बाहर दोनों ही मैदानों में बराबर योगदान देती है। वह एक परफेक्ट माँ है तो एक परफेक्ट कर्मचारी भी है। वह आदर्श पत्नी भी है तो बेहतर सहकर्मी भी। लेकिन इन सबके बीच आजादी के नाम पर महिलाएँ अपने कंधों पर जरूरत से ज्यादा बोझ ढो रही हैं। खुद को सामंजस्य व आधुनिकता की मिसाल साबित करने के फेर में वे तनाव व उलझनों के बीच फँसी हैं। सभी को संतुष्ट करने की चाहत में सुपर वुमैन खुद को भूलती जा रही है और स्वयं के लिए कुछ पल भी नहीं निकाल पा रही।

महिलाओं के इस बदले हुए रूप को अगर आजादी का नाम दिया जा रहा है तो इसके भी कुछ अपने ही तर्क हैं। इनमें सबसे पहले आती है महिलाओं की विकसित होती तर्क-क्षमता। दो दशक पहले की तुलना में आज की महिलाएँ शिक्षा के प्रति कहीं ज्यादा जागरूक हैं। महिलाओं में शिक्षा का स्तर बढ़ने से उनके सोचने-समझने की क्षमता का भी विकास हुआ है। इस विकास ने ही उन्हें दीन-दुनिया की जानकारी दी व खुद के लिए सोचने की समझ विकसित की है। समाज महिलाओं की इसी समझ को उनकी आजादी का नाम देता है। महिलाओं को आजादी की पाठशाला में प्रवेश दिलाने के लिए शिक्षा ही प्रथम अध्याय माना जा सकता है लेकिन इस अध्याय तक कितने प्रश महिलाएँ पहुँच पाती हैं, यह प्रश्न वाकई विचारणीय है।

असल में महिलाओं के विकास के नाम पर हमारी नजर सिर्फ उन शहरी महिलाओं पर रुकती है, जो आधुनिकता के बंधन में तरक्की की सीढ़ियाँ चढ़ रही हैं जबकि असल भारत तो उन छोटे व मझौले शहरों, कस्बों व ग्रामीण क्षेत्रों में बसता है जहाँ अभी ऐसी स्थिति नहीं है। इन इलाकों में देश की 60 फीसद महिलाएँ रहती हैं जिन्हें विकास की परिभाषा तक मालूम नहीं। शिक्षा के नाम पर इन महिलाओं में से शायद कुछ ही कॉलेज क्या, स्कूल तक पहुँची हों। दीन-दुनिया की जानकारी से दूर इन्हें सिर्फदो वक्त का भोजन बनाने और घर के सदस्यों की देखभाल करने के अलावा और कुछ भी नहीं मालूम। क्या देश की महिलाओं का यह तबका विकासशील भारत की आजाद महिलाओं को प्रदर्शित नहीं करता और अगर करता है तो इनकी दशा आज भी कई दशकों पहले जैसी ही क्यों है? देश में महिलाओं की एक बड़ी आबादी को एक सामान्य जीवनशैली जीने वाली शहरी महिला जैसी सहूलियत भी उपलब्ध नहीं है।

आजाद भारत की आजाद महिलाओं को क्या वाकई आजादी के सही मायने पता हैं? क्या वे इसके फायदे और नुकसान से भली-भाँति परिचित हैं? या महज घर से बाहर निकलकर कई भूमिकाएँ निभाना मात्र ही उनके लिए आजाद ख्याल का होना है! सामाजिक बंधनों, मान्यताओं और सोच के स्तर पर महिलाओं को आज तक आजादी नहीं मिल सकी है। भले ही वह घर हो या बाहर, हर जगह महिलाओं पर बंदिशें लगाने व उन्हें कमजोर साबित करने वालों की कमी नहीं है। बड़ी बात यह है कि महिलाओं को उनकी कमजोरी का एहसास कराकर उन्हें पीछे धकेलने में कई बार उनके अपनों का ही योगदान होता है। हालाँकि महिलाओं की आजादी के पैरोकार यह दावा करते कि अब समाज का एक बड़ा वर्ग महिलाओं को हर प्रकार की आजादी देता है, वे अपनी पसंद के क्षेत्र में करियर बना सकती हैं और अपनी मर्जी के अनुसार जीवनसाथी का चुनाव भी कर सकती हैं। अब इसे आजादी नहीं तो और क्या कहेंगे? पर सवाल यह है कि मात्र कुछ बातों के आधार पर महिलाओं की आजादी को तर्कसंगत माना जा सकता है? शायद नहीं।

आजादी के असल मायने तो तब समझ में आते हैं जब समाज हर क्षेत्र में महिलाओं को बराबरी का अधिकार दें तथा पूरे देश में हर तबके की महिलाओं को एक ही प्रकार की सुविधाएँ और अधिकार हासिल हों। इससे भी बड़ी बात यह है कि महिलाएँ और पुरुष तब बराबर माने जाएँगे, जब पुरुष भी खुशी-खुशी महिलाओं की दुनिया में हिस्सेदारी करना चाहे। जब तक यह मानसिकता नहीं पैदा होती सुपर वुमन की किताब महिलाओं को बरगलाने का जरिया भर है।

अगर वाकई औरत और आदमी समानता की सरजमीं पर खड़े होते और आज 20 प्रश महिलाएँ उद्योग और कारोबार की दुनिया में अपनी भूमिका अदा कर रही हैं तो कम से कम इससे आधे पुरुष तो उस दुनिया की जिम्मेदारी उठा रहे होते जिसे आधी दुनिया की निजी पूरी दुनिया मान लिया जाता है। आज भी बच्चे और रसोई औरतों की ही दुनिया बने हुए हैं चाहे जितनी बराबरी और स्त्री-पुरुष समानता की दुहाइयाँ दी जा रही हों। 90 प्रश सुपर वुमन घर पहुँचते ही रसोई में घुसती हैं, मगर 2 प्रश साधारण पुरुष भी ऐसा नहीं करते। क्या सुपर वुमन का तबका महिलाओं को और ज्यादा बोझ व जिम्मेदारियों से लादने का बहाना नहीं है?

ये टीवी वालियाँ कभी गेटअप नहीं बदलतीं !

टेलीविजन पर इन दिनों दिखाए जा रहे धारावाहिकों में महिला पात्रों के कपड़ों-मेकअप और जेवरों को देखकर कोफ्त होने लगती है। चाहे दृश्य रात का हो और वे सो रही हों फिर भी कीमती साड़ियाँ और महँगे जेवर पहने होंगी। कहानी चाहे समृद्ध परिवार की हो या मध्यमवर्गीय परिवार की- महिला पात्रों के रहन-सहन में कोई फर्क नहीं होगा।

फिर जिस पात्र का चरित्र जितना निगेटिव शेड लिए हुए होगा उसके कपड़े, जेवर और मेकअप उतना ही भड़कीला होगा। समझ में नहीं आता कि निर्देशक इस तरह के प्रस्तुतीकरण से संदेश क्या देना चाह रहे हैं?

एक-दो नहीं, बल्कि करीब-करीब सभी धारावाहिकों में नारी पात्र नित नई फैशन के जेवरों व कपड़ों की नुमाइश-सी करती प्रतीत होता है। रोजमर्रा की घटनाएँ हों चाहे कुछ विशेष परिस्थिति, यहाँ तक कि दुखी, सताई जाने वाली महिलाएँ भी भले ही मुँह लटकाए आँसू बहाएँ, भगवान से शिकायत करें, पर कपड़े उनके लकदक! अमीरी का यह भौंडा प्रदर्शन इन्हीं धारावाहिकों में आपको देखने को मिलेगा।

वृद्ध महिला पात्रों को देखकर तो वितृष्णा-सी उपजती है। उनका काम है तथाकथित 'परंपरा' का निर्वाह करना, दूसरों के कान भरना, कन्याओं को नसीहत देना कि चाहे जिस कीमत पर हो उन्हें अपनी शादी बनाए रखना है, पति जैसा भी हो उसे पकड़े रहना है। एक पुरातन प्रतिक्रियावादी चरित्र हो, पर शरीर पर आधुनिक जेवरों की कमी नहीं।

और फिर काइयाँ किस्म की फैशनपरस्त चरित्रों की तो बात ही क्या। ये धूर्त, झूठी, हेर-फेर करने वाली अमीरजादियाँ किसी मॉडल से अपने को कम नहीं समझतीं। न तो ऐसी धूर्तता आपको अपने आसपास नजर आएगी, न ऐसी महँगे लिबास में घर में काम करती महिलाएँ। एक छोटे-से गाँव में भी आलीशान बंगले के सर्वसुविधायुक्त रसोईघरों में नई-नकोर डिजाइन वाली खाने की टेबल पर पुरुषों के पीछे खड़ी रहकर खाना खिलाने वाली महिला पात्र तो दुल्हनों को भी मात देती है।

यह पहनावा सिर्फ इसलिए नहीं अखरता कि वे परिस्थिति के अनुरूप या स्वाभाविक नहीं होते, वरन एक गंभीर कारण भी है। आमतौर पर महिला दर्शक और विशेषत: मध्यमवर्गीय स्त्री समाज के मन में ये जेवरों के प्रति एक जबर्दस्त लगाव पैदा करते हैं जबकि ये पहनना उनके वश की बात नहीं है। वे अपने पतियों या पुत्रों को अनैतिक कार्य कर ज्यादा धनोपार्जन के लिए उकसाती हैं या दबाव डालती हैं। वे इन उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादकों द्वारा किए जा रहे षड्यंत्र से बेखबर रहती हैं, जो इन वस्तुओं की बिक्री से अथाह संपत्ति कमा लेते हैं। किंतु बदले में परिवारों में मनमुटाव व समाज के भ्रष्ट तरीकों में लिप्तता बढ़ जाती है।

ग्रेप्स शायनी

सामग्री : दूध 2 कप, क्रीम 1 कप, हरे अंगूर 250 ग्राम, कॉर्नफ्लोर 1 छोटा चम्मच, चीनी 1 बड़ा चम्मच, वनिला एसेंस।

विधि : कॉर्नफ्लोर को 1/4 कप दूध में घोलें। शेष दूध को उबलने रखें। जब दूध की मात्रा आधी रह जाए तो चीनी मिला दें साथ ही कार्नफ्लोर का घोल भी मिलाकर थोड़ी देर चलाएँ। जब दूध गाढ़ा हो जाए तो गैस बंद कर दें, ठंडा होने पर इसमें आधी क्रीम की मात्रा मिलाकर अच्छी तरह चलाएँ। शेष क्रीम को बर्फ पर रखकरफेंटें ताकि गाढ़ी हो जाएँ। अब एक बाउल में तैयार मिश्रण डालें। ऊपर से फेंटी हुई गाढ़ी क्रीम की तरह लगाएँ। कटे अंगूरों से सजाकर ठंडा करके सर्व करें।

टीबी से डरें नहीं, जॉच और इलाज कराएँ

हेल्थ प्लस

क्षय (टीबी) एक सदियों पुराना संक्रामक रोग है। अब तक इस रोग से लाखों लोग असमय मृत्यु को प्राप्त कर चुके हैं। 24 मार्च 1882 को सर राबर्ट काक ने सर्वप्रथम यह पता लगाया कि यह रोग मायको बैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया से होता है। पहले इसका उपचार लंबा चलता था, लेकिन अब सालभर के अंदर टीबी का जीवाणु हमेशा के लिए खत्म हो जाता है।

सन् 1982 टीबी के जीवाणु की खोज के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रतिवर्ष 24 मार्च को 'विश्व क्षय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। टीबी समाज के सभी उम्र तथा वर्ग के लोगों को प्रभावित करती है। यह बैक्टीरिया इस मामले में पूरा समाजवादी है। गरीब, अमीर सभी को एक रूप से प्रभावित करता है। इस रोग से विश्व की कई महान हस्तियाँ भी प्रभावित हुई हैं। आम धारणा के विपरीत यह खानदानी या पैतृक रोग नहीं है। एक छोटे कमरे में अधिक व्यक्तियों के साथ रहने से निकट के व्यक्तियों में यह रोग फैल जाता है। यह बैक्टीरिया बहुत ही नटखट है। शरीर के सभी अंगों में यह प्रवेश कर उस अंगों को रोग ग्रसित कर देता है। यह प्रमुखत: फेफड़े में ही पाया जाता है। इसके अतिरिक्त, आँतें, मस्तिष्क, हड्डियाँ जोड़, गुर्दे, जननांग, लिम्फनोड, आँखें, चमड़ी, हृदय भी टीबी सेक्षय (टीबी) एक सदियों पुराना संक्रामक रोग है।

अब तक इस रोग से लाखों लोग असमय मृत्यु को प्राप्त कर चुके हैं। 24 मार्च 1882 को सर राबर्ट काक ने सर्वप्रथम यह पता लगाया कि यह रोग मायको बैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया से होता है। पहले इसका उपचार लंबा चलता था, लेकिन अब सालभर के अंदर टीबी का जीवाणु हमेशा के लिए खत्म हो जाता है।

सन् 1982 टीबी के जीवाणु की खोज के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रतिवर्ष 24 मार्च को 'विश्व क्षय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। टीबी समाज के सभी उम्र तथा वर्ग के लोगों को प्रभावित करती है। यह बैक्टीरिया इस मामले में पूरा समाजवादी है। गरीब, अमीर सभी को एक रूप से प्रभावित करता है। इस रोग से विश्व की कई महान हस्तियाँ भी प्रभावित हुई हैं। आम धारणा के विपरीत यह खानदानी या पैतृक रोग नहीं है। एक छोटे कमरे में अधिक व्यक्तियों के साथ रहने से निकट के व्यक्तियों में यह रोग फैल जाता है। यह बैक्टीरिया बहुत ही नटखट है। शरीर के सभी अंगों में यह प्रवेश कर उस अंगों को रोग ग्रसित कर देता है। यह प्रमुखत: फेफड़े में ही पाया जाता है। इसके अतिरिक्त, आँतें, मस्तिष्क, हड्डियाँ जोड़, गुर्दे, जननांग, लिम्फनोड, आँखें, चमड़ी, हृदय भी टीबी से ग्रसित हो सकते हैं। महिलाओं में बाँझपन (स्टरलिटी) का प्रमुख कारण जननांगों की टीबी भी-है।

फेफड़ों की टीबी के मुख्य लक्षण हैं : दो सप्ताह या उससे अधिक समय से लगातार खाँसी का आना, खाँसी के साथ बलगम का आना, बुखार- विशेष रूप से शाम को बढ़ने वाला। इसके अलावा वजन का घटना, भूख कम लगना, सीने में दर्द, बलगम के साथ खून आना फेफड़ों की टीबी के लक्षण हैं।

फेफड़ों की टीबी का रोगी जब खाँसता है तो उसके एक बार खाँसने पर लगभग 5000 से अधिक बैक्टीरिया वातावरण में फैल जाते हैं जो स्वस्थ व्यक्तियों के शरीर में श्वास द्वारा प्रवेश कर जाते हैं-जिससे व्यक्ति को टीबी का संक्रमण हो सकता है। अधिकांश व्यक्तियों में यह बैक्टीरिया उसके शरीर में सुप्त अथवा निष्क्रिय अवस्था में जीवनभर रहता है। जब भी ऐसे व्यक्तियों के शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता किसी भी कारण से कम हो जाती है तब यह बैक्टीरिया अपना असर दिखाना शुरू कर देता है और वह व्यक्ति रोग से ग्रसित हो जाता है। भारत की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या में इसके बैक्टीरिया मौजूद हैं परंतु रोग केवल डेढ़ प्रश आबादी को ही होता है अगर व्यक्ति को मधुमेह (डायबीटीज) अथवा एचआईवी इंफेक्शन है तो टीबी होने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। भारत में प्रतिदिन 4000 से अधिक व्यक्तियों को टीबी होता है और 5000 से अधिक व्यक्ति इस रोग से प्रभावित होते हैं।

भारत में प्रतिदिन एक हजार से अधिक रोगी इस रोग से मर रहे हैं। प्रति डेढ़ मिनट में एक व्यक्ति की मृत्य टीबी से हो रही है। पूरे विश्व में प्रतिवर्ष 18 लाख व्यक्ति इस रोग से मरते हैं, जिनमें से अधिकांश

विकासशील देशों से होते हैं। प्रतिवर्ष विश्व में 88 लाख नए मरीज इस रोग से ग्रसित हो रहे हैं। टीबी से सर्वाधिक ग्रसित हो रहे हैं। टीबी से सर्वाधिक ग्रस्ति 22 देशों में भारत का सत्रहवाँ स्थान है। यह मुख्यत : 15 से 60 वर्ष की आयु के व्यक्ति में होती है जो कि जीवन का प्रमुख समय है जबकि व्यक्ति स्वयं परिवार एवं राष्ट्र के लिए योगदान देता है। सुखद बात यह है कि टीबी का पूर्णरूपेण इलाज मौजूद है।

शिशु को पैदा होने के तुरंत पश्चात बीसीजी का टीका लगवाने से इस रोग से काफी हद तक बचा जा सकता है। इसको फैलने से रोकने के लिए हर रोगी को पूर्ण एंव नियमित उपचार लेना चाहिए। अधुरा इलाज छोड़ने पर बीमारी भयंकर रूप (एमडीआर टीबी तथा एक्सडीआर टीबी) धारण कर लेती है जिसका पूर्ण उपचार संभव नहीं है।

नमक की सचाई

आमतौर पर नमक को बहुत हल्के में लिया जाता है जबकि स्वास्थाय के लिए यह महत्वपूर्ण घटक है। देश में न केवल शहरी अपितु ग्रामिण क्षेत्रों में भी हमारे भोजन में नमक की मात्रा अत्यधिक होती हैं। हमारे देश के लोग आदतन ज्यादा नमक खाते हैं। दूसरे युवावर्ग फास्टफूड का शौकीन है जिसमें नमक बहुतायत से होता है।

चिंता यह है कि हमारा युवा वर्ग लुभावने विज्ञापनों के कारण पैकेट बंद खाद्य पदार्थों का उपयोग बहुतायत में कर रहे हैं जिसमें न केवल नमक की मात्रा अधिक होती है बल्कि सैचुरेटेड फैट और शकर की मात्रा भी बहुत होती है जिसके कारण यह वर्ग मोटापा, डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग आदि नाना प्रकार के रोगों से ग्रस्त होता जा रहा है।

भोजन में नमक की बढ़ती मात्रा और हाई ब्लड प्रेशर के बीच सीधा संबंध है जिसकी अधिकता के कारण पक्षाघात और दिल की बीमारियों की चपेट में फँसते जा रहे हैं। पक्षाघात के 60-65 प्रतिशत तथा दिल की 50 प्रतिशत बीमारियों का एकमात्र कारण हाई ब्लड प्रेशर है।

चिकित्सकों के मुताबिक रोजाना के भोजन में नमक की मात्रा अधिकतम 5 ग्राम होना चाहिए, लेकिन हम 10 ग्राम और उससे भी अधिक नमक का उपयोग कर रहे हैं। विश्व के कई देशों ने डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों में नमक की मात्रा घटाना जरूरी कर दिया है जिसके कारण वहाँ पक्षाघात और हृदय रोगों में कमी हुई है। यह निर्विवाद सत्य है कि शरीर को अल्पमात्र में नमक की आवश्यकता होती है। हमारे भोजन में प्राकृतिक रूप से (पत्तेदार, हरी सब्जियों, सलाद व फलों में) नमक की मात्रा कुछ हद तक मौजूद रहती है। इसलिए अतिरिक्त नमक की आवश्यकता नहीं रहती। भारत जैसे विकासशील देश के लोग स्वस्थ जीवन शैली और दैनिक खानपान की अपनी आदतों में थोड़ा परिवर्तन कर इन बीमारियों और महँगें उपचारों से बच सकते हैं। अपने आहार में नमक की मात्रा में कटौती के साथ-साथ हाई कैलोरी व सैचुरटेड फैट और शक्कर की मात्रा भी घटाएँ। भोजन को अधिक संतुलित व प्राकृतिक रूप में खाएँ।

स्तन कैंसर सैल्स पर प्रभाव डालती है ब्रोकोली

बर्कले में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के विशेषज्ञ अध्ययन कर रहे हैं स्तन कैंसर सैल्स पर ब्रोकोली के प्रभाव का। अभी तक उन्होंने अपने अध्ययन से निष्कर्ष निकाला है कि ब्रोकोली में इनडोल्स नामक यौगिक पाए जाते हैं और पाच्न प्रक्रिया में यह 3-3 डिडोलिलमेथेन नामक यौगिक बनाते हैं जो पेट में डी.आई.एम. नामक रसायन उत्पन्न करता है। यह रसायन कैंसर की संभावना को कम कैंसर सैल्स को फैलने से रोकता है।

बैडमिंटन के राष्ट्रीय शिविर में जगह नहीं मिलने से नाराज हैं कश्यप

हैदराबाद। राष्टमंडल खेलों के पूर्व चैम्पियन पारुपल्ली कश्यप ने बैडमिंटन के राष्टीयशिविर में जगह नहीं मिलने पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसे केवल ओलंपिक टिकट हासिल करने की दौड़ में शामिल आठ दावेदारों तक सीमित रखना सही नहीं है। विश्व रैंकिंग के पूर्व छठे नंबर के इस खिलाड़ी ने कहा कि उनके पास भी टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का अवसर है लेकिन वह इस ओर आगे नहीं बढ़ पा रहे क्योंकि वह शिविर में अभ्यास नहीं कर पा रहे है। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, %%शिविर में केवल आठ लोगों को अभ्यास करने की अनुमति देना सहीं नहीं है। इसके अलावा, किसी आधार पर इन आठ खिलाड़ियों का चयन हुआ, इसमें से सिर्फ तीन ने अपनी जगह लगभग पक्की की है बाकी के पास कठिन मौका है जिसमें श्रीकांत और महिला युगल जोड़ी भी शामिल है।%% उन्होंने कहा, %%मैं साई (बी साई प्रणीत) और (किदांबी) श्रीकांत के बाद विश्व रैंकिंग में 23 वें स्थान पर हूं, फिर मेरे नाम पर विचार क्यों नहीं किया गया।%% गौरतलब है कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने सात अगस्त से साई-पुलेला गोपीचंद अकादमी में प्रशिक्षण को फिर से शुरू करने की अनुमति दी थी। कश्यप अपनी पत्नी और साथी शटलर सायना नेहवाल के साथ अकादमी के पास एक अलग सुविधा केन्द्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने गेरार्ड को मुख्य कोच बनाया

नई दिल्ली । नॉर्थईस्ट यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सत्र के लिए स्पेन के गेरार्ड नूस को अपना मुख्य कोच बनाया है। 35 साल के गेरार्ड इस क्लब के अब तक के सबसे युवा कोच होंगे।गेरार्ड ने लीवरपूल एफसी की अकादमी में कोच के रूप में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की और बाद में वह रफा बेनिट्ज की पहली टीम के कोचिंग स्टाफ में

शामिल हुए थे। वह ला लीगा टीमों एल्चे सीएफ और रायो वेलेकेनो खेल निदेशक भी रहे है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें घाना की राष्ट्रीय टीम के साथ मुख्य कोच एविना ग्रांट के सहायक के रूप में सफलता मिली थी।

कोरोना जांच में नेगेटिव पाए गए पंजाब और राजस्थान रॉयल्स के सभी खिलाड़ी

मुम्बई। आईपीएल के लिए संयुक्त अरब अमीरात गये किंग्स इलेवन पंजाब और राजस्थान रॉयल्स के सभी खिलाड़ी कोरोना जांच में नेगेटिव पाए गए हैं। 6 दिन की अनिवार्य क्वारंटीन अवधि समाप्त होने के बाद इनकी कोरोना जांच हुई थी जिसमें सभी संक्रमण से मुक्त पाये गये। यह दोनों ही टीमों के खिलाड़ी अब अभ्यास कर सकते हैं। किंग्स इलेवन और रॉयल्स यहां सबसे पहले पहुंचने वाली टीमों में शामिल थीं। कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम भी पिछले गुरुवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंची थी। केकेआर टीम अबुधाबी में रुकी हुई है। बीसीसीआई की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार खिलाड़ियों का यहां पहुंचने के बाद पहले, तीसरे और छठे दिन परीक्षण किया गया और इन तीनों में नेगेटिव आने के बाद ही इन्हें अभ्यास की अनुमति मिली है। छह दिन के प्रवास के दौरान इन खिलाड़ियों को अपने कमरों से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गयी थी। रॉयल्स की टीम आईसीसी मैदान पर अभ्यास करेगी। वहीं इस साल रॉयल्स से जुड़ने वाले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डेविड मिलर मंगलवार को ही दुबई पहुंचे हैं। ऐसे में अब वह अपना क्वारंटीन पीरियड पूरा करने के बाद ही अभ्यास कर पाएंगे। किंग्स इलेवन के दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी हार्डस विलजोन को भी इसी प्रक्रिया का पालना गुजरना होगा।

कोच परांजपे पर लिखी किताब का विमोचन अगले माह

नई दिल्ली। क्रिकेट कोच एक वासू परांजपे पर लिखी किताब 'क्रिकेट द्रोण' का विमोचन दो सितंबर को किया जाएगा। इस किताब का प्रकाशन पेंग्विन ने किया है और इसके सह लेखक परांजपे के बेटे, पूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान समय के राष्ट्रीय चयनकर्ता जतिन परांजपे और क्रिकेट पत्रकार आनंद वासु हैं। इस किताब में सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर ने भी लिखा है। 'क्रिकेट द्रोण' परांजपे के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालती है जिन्होंने गावस्कर, तेंदुलकर, द्रविड़ और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के करियर को संवारने में अहम भूमिका निभाई थी।

आईपीएल खिताब के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को तैयार आरसीबी : हेसन

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के क्रिकेट संचालन निदेशक माइक हेसन ने कहा है कि उनकी टीम ने इस बार अपनी पिछली कमियां सुधार ली हैं और ऐसे में टीम इस बार खिताब जरुर जीतेगी। हेसन के अनुसार टीम का फिटनेस स्तर उम्मीद के अनुसार ही है और सभी माहौल के अनुसार ढ़ल गये हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से निखारने के लिए हमारे पास बेहद कुशल सहयोगी स्टाफ है जिससे सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने की तैयारी कर रहे हैं। हेसन और मुख्य कोच साइमन कैटिच खेल के सभी विभागों पर ध्यान दिया गया है जिसमें 'डेथ ओवरों' में गेंदबाजी भी शामिल है। हेसन और कैटिच ने एक कार्यक्रम में अपनी टीम की योजनाओं के बारे में बात की। इसमें यह बात कही गयी कि कप्तान विराट कोहली की यह टीम हमेशा स्टार खिलाड़ियों से भरी रही है पर अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी। पहली बार टीम 2016 में फाइनल में पहुंची थी जहां उसे हार का सामना करना

पड़ा था। उसके बाद से ही यह सिलसिला अब तक जारी है। हेसन ने कहा, %हम अपनी 'डेथ ओवरों की गेंदबाजी' के बारे में काफी स्पष्ट थे और तय करना चाहते थे कि इससे निपटा जाये। हम नीलामी में इसका हल निकालने के लिये गये थे।% उन्होंने कहा, %हमारे पास मौरिस, रिचर्डसन, स्टेन हैं, नवदीप सैनी जैसे तेज गेंदबाज और चहल के साथ ही शाहबाज नदीम, पवन नेगी, मोइन अली जैसे स्पिनर हैं। उन्होंने कहा, ''हमें लगता है कि हम अपनी बल्लेबाजी पर भी ज्यादा निर्भर नहीं हैं और हमारे पास संतुलित टीम है।% कैटिच ने कहा कि एरॉन फिंच के होने से विराट को सहायता मिलेगी इसके अलावा टीम के पास एबी डिविलियर्स जैसे स्टार बल्लेबाज हैं।

बैडमिंटन के राष्ट्रीय शिविर में जगह नहीं मिलने से नाराज हैं कश्यप

हैदराबाद। राष्टमंडल खेलों के पूर्व चैम्पियन पारुपल्ली कश्यप ने बैडमिंटन के राष्टीयशिविर में जगह नहीं मिलने पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसे केवल ओलंपिक टिकट हासिल करने की दौड़ में शामिल आठ दावेदारों तक सीमित रखना सही नहीं है। विश्व रैंकिंग के पूर्व छठे नंबर के इस खिलाड़ी ने कहा कि उनके पास भी टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई

इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, %%शिविर में केवल आठ लोगों को अभ्यास करने की अनुमति देना सहीं नहीं है। इसके अलावा, किसी आधार पर इन आठ खिलाड़ियों का चयन हुआ, इसमें से सिर्फ तीन ने अपनी जगह लगभग पक्की की है बाकी के पास कठिन मौका है जिसमें श्रीकांत और महिला युगल जोड़ी भी शामिल है।%% उन्होंने कहा, %%मैं साई (बी साई प्रणीत) और (किदांबी) श्रीकांत के बाद विश्व

करने का अवसर है लेकिन वह इस ओर आगे नहीं बढ़ पा रहे क्योंकि वह शिविर में अभ्यास नहीं कर पा रहे है। रैंकिंग में 23 वें स्थान पर हूं, फिर मेरे नाम पर विचार क्यों नहीं किया गया।

खेलों इंडिया के दौरान ही ब्रिक्स खेलों का आयोजन करेंगे : रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू ने कहा है कि अगले साल होने वाले खेलो इंडिया गेम्स के दौरान ही ब्रिक्स खेलों का भी आयोजन किया जाएगा।

रिजिजू ने कहा, एक ही समय पर एक ही आयोजन स्थल पर ब्रिक्स गेम्स 2021 भी आयोजित करने से खेलो इंडिया गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के पास ब्रिक्स खेलों को करीब से देखने और इसका लाभ उठाने का अवसर रहेगा। रिजिजू ने कहा कि कोरोना महामारी को देखते हुए ब्रिक्स देशों के खेल मंत्रियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस दौर में खेल के आयोजन को लेकर विचार किया है। रास्ते के प्रभावों का भी आंकलन किया है। बैठक में ब्रिक्स देशों के खेल मंत्रियों ने अगले साल हरियाणा के पंचकूला में होने वाले खेलो इंडिया गेम्स के उद्घाटन समारोह में भाग लेने को भी अपनी मंजूरी दी है।

न्यूयार्क में वेस्टर्न व साउथर्न ओपन टेनिस में खेलते हुए स्पेन के रॉब्रट बटिस्टा व रुस के डेनिल मेदवदेव।

लॉकडाउन के बाद बढ़ा कैश के प्रति रुझान

मुंबई। साल 2019-20 की अपनी सालाना रिपोर्ट में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने यह जानकारी दी है कि कोविड-19 महामारी के कारण पैदा हुई अनिश्चितता से लोगों का नकदी यानी कैश के प्रति रुझान बढ़ा है और कई परिवारों ने अपने घरों में भारी मात्रा में नकदी रखी है। इससे 2019-20 में करेंसी टु जीडीपी रेश्यो बढ़कर नोटबंदी के पहले के 12 फीसदी के स्तर पर पहुंच गया। यह रिपोर्ट मंगलवार को जारी की गई। 20 मार्च के बाद से करेंसी इन सर्कुलेशन बढ़कर 26.9 लाख करोड़ हो गई। लॉकडाउन शुरू होने के बाद से इसमें 10 फीसदी की तेजी आई है। 31 मार्च को 24.5 लाख करोड़ की करेंसी सर्कुलेशन में थी जो 14 अगस्त को बढ़कर 26.9 लाख करोड़ पहुंच गई। साथ ही पिछले दो सालों में सर्कुलेशन में 2000 रुपये के नोटों में तेज गिरावट आई है। लोगों के पास नकदी की मात्रा में

पिछले कुछ महीनों में लगातार बढ़ोतरी हुई है। 28 फरवरी को यह 11.3 फीसदी थी और मार्च के अंत में 14.5 फीसदी पहुंच गई। जून में यह आंकड़ा 21.3 फीसदी पहुंच गया। इस दौरान करेंसी टु बैंक डिपॉजिट रेश्यो भी 15.1 फीसदी से बढ़कर 16.1 फीसदी पहुंच गया।

सोना-चांदी की कीमत में गिरावट

मुंबई। सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को ?गिरावट दर्ज की गई है। एमसीएक्स ऱ्पर सुबह 9.50 बजे गोल्ड डिलिवरी में गिरावट देखी जा रही है। अक्टूबर डिलिवरी वाला गोल्ड इस समय 128 रुपए की गिरावट के साथ 51651 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। बुधवार को यह 51779 के स्तर पर बंद हुआ था। सुबह यह गिरावट के साथ 51601 के स्तर पर खुला था। दिसंबर डिलिवरी वाले गोल्ड में भी गिरावट देखी जा रही है। इस समय दिसंबर डिलिवरी गोल्ड में करीब 147 रुपढ की गिरावट देखी जा रही है और यह 51867 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। बुधवार को यह 52014 के स्तर पर बंद हुआ था। गुरुवार सुबह यह गिरावट के साथ 51861 के स्तर पर खुला।

भारत में अक्टूबर में लॉन्च होगी सिलैरियो

-दो पेट्रोल इंजन के साथ आ रही है नई कार

नई दिल्ली। सफल कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी अपनी नई मारुति सुजुकी सिलैरियो भारत में अक्टूबर में लॉन्च करने जा रही है। यह इस कार का सेकेंड जेनेरेशन मॉडल होगा। नई सिलैरियो वैगन आर प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी। नई सिलैरियो दो पेट्रोल इंजन ऑप्शन के साथ आएगी। नया मॉडल मौजूदा मॉडल से ज्यादा लंबा और चौड़ा होगा। आपको बता दें कि यह सिलैरियो का फेसलिफ्ट मॉडल नहीं है बल्कि सेकेंड जेनेरेशन मॉडल है। यानी नई कार में काफी

बदलाव देखने को मिल सकते हैं। नई सिलैरियो में 1.0 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ 1.2 लीटर के सीरीज पेट्रोल इंजन भी मिलेगा। आउटगोइंग मॉडल सिर्फ 1.0 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आता है। कंपनी ने नई सिलैरियो में दो इंजन देने का फैसला किया है। कंपनी ने हाल ही में इस कार को सीएनजी के साथ लॉन्च किया था। यह कार दो वेरियंट में उपलब्ध होगी। एस-सीएनजी वेरिंयट की शुरुआती कीमत 5.60 लाख रुपये है। वीएक्सआई वेरियंट 5.60 लाख और वीएक्सआई (ओ) वेरियंट 5.68 लाख रुपये में खरीदा जा सकता है। फ्लीट ऑपरेटर्स के लिए कंपनी ने टूर एच2 वेरियंट भी लॉन्च किया है जिसकी कीमत 5.36 लाख रुपये होगी। मारुति ने अपने मिशन ग्रीन मिलियन के तहत यह कार लॉन्च की है। इस मिशन की घोषणा कंपनी ने ऑटो एक्सपो 2020 में की थी। कंपनी का अगले 2 साल में एक मिलियन यानी 10 लाख से ज्यादा ग्रीन वीकल्ज सेल करने की योजना है।मालूम हो कि भारत में फेस्टिवल सीजन ज्यादा दूर नहीं है। इस दौरान सभी बड़ी कार निर्माता कंपनियां नए लॉन्च करने की फिराक में हैं जिससे इस सीजन में अपने सेल्स के आंकड़ों को बेहतर किया जा सके।

राजस्व अधिकारियो की बैठक में दिए निर्देश, कहा पटवारी हफ्ते में दो दिन अपने हलके के गाँवों में अनिवार्यतः मौजूद रहें

शहर के 8 किलोमीटर के दायरे की सरकारी जमीन अतिक्रमण से बचाएँ : उद्यानिकी मंत्री कुशवाह

ग्वालियर। ग्वालियर शहर के 8 किलोमीटर के दायरे में सरकारी जमीन अतिक्रमण से बचाएँ। साथ ही भविष्य को ध्यान में रखकर तीन नए तहसील भवनों के लिए पुरानी छावनी, मुरार ग्रामीण व अन्य समीपवर्ती क्षेत्र में सरकारी जमीन आरक्षित की जाए। इस आशय के निर्देश उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने जिले के राजस्व अधिकारियों को दिए। साथ ही कहा कि सभी पटवारी अपने हलके के गाँवों में हफ्ते में 2 दिन अनिवार्यतः मौजूद रहें, जिससे ग्रामीणों को राजस्व संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिये भटकना न पड़े। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने गुरूवार को कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की मौजूदगी में जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण में चल रहीं राजस्व गतिविधियों एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मंदिरों से लगी जमीन का दुरूपयोग कदापि न हो। ऐसी जमीन से होने वाली आय मंदिरों के रख-रखाव व सार्वजनिक उपयोग से संबंधित अधोसंरचना पर ही खर्च हो। श्री कुशवाह ने राजस्व अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में सार्वजनिक रास्ते खुलवाए जाएं, जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कत न हो। इसके लिये आरआई व पटवारी की जवाबदेही निर्धारित की जाए। उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह ने फसलों की सही-सही गिरदावरी करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने सभी राजस्व निरीक्षकों से कहा घर पर बैठकर नहीं, खेतों पर जाकर बोई गई फसल के अनुसार गिरदावरी करें। फसल गिरदावरी के आधार पर सरकार द्वारा उत्पादित अनाज के प्रबंधन, फसल उत्पादन में बढ़ोत्तरी एवं किसानों के हित में योजनाएँ बनाई जातीं हैं। श्री कुशवाह ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार का आत्मनिर्भर भारत बनाने पर विशेष जोर है। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार होगा जब हमारे किसान आत्मनिर्भर बनेंगे। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सभी एसडीएम व तहसीलदारों को हिदायत दी कि उनके अधीनस्थ सभी पटवारी पंचायत भवन में कार्यालय का बोर्ड लगाकर सप्ताह में दो दिन मौजूद रहें। साथ ही एक दिन अनिवार्यतः रात्रि विश्राम भी करें। उन्होंने कहा कि इसकी जाँच के लिये टीम गठित की जायेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने यह भी निर्देश दिए कि जिस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा लीज दी गई है उसका उपयोग उसी प्रयोजन में हो, अन्यथा लीज निरस्त कराकर संबंधित से जमीन वापस ली जाए। उन्होंने कहा अवैध कॉलोनियों के जो प्लॉट न बिके हों उन्हें सरकारी आधिपत्य में लें और उनकी बिक्री कर उस कॉलोनी में बुनियादी सुविधाएँ विकसित की जाएँ। कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई इस बैठक में श्री कुशवाह द्वारा इस क्षेत्र की चिकित्सा सेवाओं की समीक्षा भी की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य सहित सभी संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार व राजस्व निरीक्षक बैठक में मौजूद थे। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने प्रधनमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ सभी पात्र किसानों को दिलाए जाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने इस योजना की धीमी प्रगति पर असंतोष जाहिर किया। साथ ही निर्देश दिए कि हर हफ्ते इस योजना की समीक्षा की जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अभियान बतौर सभी पात्र किसानों को इस योजना से जोड़ें, अन्यथा संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि वे स्वयं इस योजना की प्रगति पर निगरानी रखेंगे। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने बैठक में यह भी निर्देश दिए कि जिन मजरों की आबादी 200 से अधिक है और मूल गाँव से 2 किलोमीटर की दूरी पर हैं उन्हें राजस्व ग्राम घोषित कराएँ, जिससे इन मजरों के निवासियों को भी सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सके।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने ग्राम भगेह में

एक करोड़ 23 लाख की लागत के स्टेडियम का किया भूमिपूजन

ग्वालियर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने डबरा विधानसभा क्षेत्र के पिछोर के ग्राम भगेह में एक करोड़ 23 लाख की लागत से निर्मित होने वाले ग्रामीण स्टेडियम (खेल परिसर) का भूमि पूजन किया। श्रीमती इमरती देवी ने गुरूवार को भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि डबरा विधानसभा क्षेत्र में विकास के मामले में कोई कमी नहीं आने दी जायेगी। श्रीमती इमरती देवी ने क्षेत्र में किए गए विकास एवं निर्माण कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के साथ-साथ बुजुर्गों के मान सम्मान का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। इनके मान सम्मान में कोई कमी नहीं आने देंगे। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने विभागीय अधिकारियो को भी निर्देश दिए कि जो निर्माण एवं विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया है वे समय-सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। उन्होंने निर्माण एजेन्सी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्टेडियम का निर्माण ऐसा हो जिसे बाहर से लोग देखने आएँ। इसी के साथ श्रीमती इमरती देवी ने ग्राम चेतूपाड़ा में बघेल का डेरा रोड़ का भूमिपूजन, चितावनी से लिधौरा पहुँच मार्ग का भूमिपूजन, बेरू से खेरवाया पहुँच मार्ग का भूमिपूजन एवं चिरूली पहुँचमार्ग का भी भूमिपूजन किया। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा भुजवल सिंह यादव, भाजपा ग्रामीण के जिला अध्यक्ष श्री कौशल किशोर शर्मा, जनपद पंचायत डबरा की प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती सीमा रामू परिहार, डॉ. विवेक मिश्रा, पिछोर मंडल अध्यक्ष श्री हिमांशु परसेड़िया, डबरा नगर अध्यक्ष श्री भीकम साहू, डबरा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष श्री रामवीर घुरैया सहित जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन आदि उपस्थित थे।

3 वीं वाहिनी में हर्बल पार्क बना,

एसएएफ आईजी संतोष सिंह ने भी इलायची का पौधा रोपा

ग्वालियर। ग्वालियर में पुलिस अधिकारी भी अब पर्यावरण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सक्रिय काम कर रहे हैं। इस दिशा में 13 वीं वाहिनी में कल हर्बल पार्क का शुभारंभ किया गया, इस पार्क में एसएएफ आईजी संतोष कुमार सिंह ने इलायची का पौधा रोपा। इस मौके पर एसएएफ डीआईजी विनीत खन्ना, 13 वीं बटालियन के कमांडेंट आलोक कुमार सिंह आदि मौजूद थे। 13 वीं बटालियन में बने इस हर्बल पार्क से पीटीएस में प्रशिक्षणरत जवानों को औषधियों एवं इनसे किये जाने वाले उपचार के संघर्ष में जानकारी हो सकेगी। इसका लाभ 13 वीं वाहिनी के अधिकारी व कर्मचारी भी उठा सकेंगे। हर्बल पार्क में 500 पौधों का रोपण किया गया है। बाद में दूसरे चरण में 500 पौधों और रोपे जायेंगे। 13 वीं वाहिनी के कमांडेंट आलोक कुमार सिंह ने बताया कि हर्बल पार्क ग्वालियर में अन्य लोगों को भी प्रेरणा देगा, इससे औषधीय ज्ञान संपदा का लाभ सभी उठा सकेंगे। एसएएफ आईजी संतोष कुमार सिंह ने भी हर्बल पार्क के प्रयास की सराहना की। इस मौके पर 13 वीं बटालियन के उप सेनानी महेन्द्र कुमार छारी, एडयुजेंट अजीत कुमार शाक्य, सहायक सेनानी महिपाल सिंह यादव, निरीक्षण मुनेन्द्र सिंह भदौरिया, रामभान सिंह आदि भी उपस्थित थे।

एक से 15 सितम्बर के मध्य लगेंगे विद्युत शिकायत निवारण शिविर

ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में विद्युत देयकों से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए एक से 15 सितम्बर के बीच वितरण केन्द्र स्तर पर शिकायत निवारण शिविर लगाये जायेंगे। इन शिकायत निवारण शिविरों में बिजली बिल संबंधित शिकायतें जिनमें समय पर बिल वितरण नहीं होना/प्राप्त नहीं होना, अधिक राशि के बिल, गलत बिल जारी होना, ऑनलाइन बिल जनरेट नहीं होना, लॉकडाउन के संदर्भ में घोषित राहत प्रदान नहीं किया जाना एवं ऑनलाइन पेमेंट अपडेट नहीं होना संबंधी शिकायतों का निराकरण किया जायेगा। साथ ही मीटर संबंधी शिकायतें जिनमें समय पर रीडिंग नहीं होना, गलत रीडिंग, देरी से रीडिंग होना, ट्रांसफार्मर संबंधी शिकायतें और विद्युत प्रदाय संबंधी शिकायतें, नवीन कनेक्शन संबंधी शिकायतों का भी त्वरित निराकरण किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि यथासंभव शिविर में ही शिकायतों का निराकरण किया जाये।

गणेश प्रतिमाओं एवं ताजियों का विसर्जन घर पर या चलित वाहनों से करने की अपील

ग्वालियर। वैश्विक महामारी कोरोना को ध्यान में रखकर जिला प्रशासन ने गणेश प्रतिमाओं एवं ताजियों के विसर्जन के संबंध शहरवासियों से अपील की है। अपील के माध्यम से शहरवासियों से आग्रह किया गया है कि गणेश प्रतिमाओं एवं ताजियों का विसर्जन अपने घर पर अथवा चलित वाहनों के माध्यम से करें। जिला प्रशासन द्वारा समाज के सहयोग से चलित वाहन चलाए जाएंगे। इस सिलसिले में अपर जिला दण्डाधिकारी श्री किशोर कान्याल की अध्यक्षता में आज अहम बैठक आयोजित हुई। जिसमें ताजिया एवं गणेश प्रतिमा विसर्जन आदि से संबंधित व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए।

बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल झपटा.. चेन लूटी

ग्वालियर। शहर के इंदरगंज थाना क्षेत्र में स्थित काजल टॉकीज के पास बाइक सवार दो बदमाश एक युवक का मोबाइल छीनकर भाग गए वहीं गोला का मंदिर थाना क्षेत्र में पिंटू पार्क के पास फर्नीचर कारोबारी की मारपीट कर बाइक सवार तीन बदमाश उसके गले से सोने की चेन लूटकर भाग गए पुलिस ने बदमाशों की तलाश प्रारंभ कर दी है! जानकारी के अनुसार रवि गुप्ता निवासी गेंडे वाली सड़क कारोबारी हैं वह बीती रात काजल टॉकीज के पास घर की ओर जा रहे थे तभी वह मोबाइल पर किसी से बात करने लगे उसी दौरान बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए और उनका मोबाइल छीन कर भाग गए! वही गोला का मंदिर थाना क्षेत्र में पिंटू पार्क के पास फर्नीचर कारोबारी राजकुमार शिवहरे घर जा रहे थे तभी बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और मारपीट कर उनके गले से सोने की चेन छीनकर भाग गए संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर उनकी तलाश प्रारंभ कर दी है!

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
पुष्पांजली टुडे
क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक
डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु
नि:शुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रंद्धाजलि शोक संदेश उठावनी
संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

प्रतिभा हम निखारेंगे
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी लेख कविताओं को हम देंगे जगह, आपके अंदर की प्रतिभाओं को हम उभरेंगे। तो देर किस बात की अभी हमे भेंजे अपनी कविता,लेख,कहानी,या फिर देख की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार आप हमें व्हाट्सएप या मेल कर सकते है।
हमारा उद्देश्य - भारत को में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।
पुष्पांजली टुडे
E-mail - pushpanjalitoday@gmail.com
Whatsapp :- 8269307478,7999246560,9691270207
नोट : मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/पता/व्हाट्सएप अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478